

## प्राधिकरण से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 38] No. 38] नई विल्ली, शनिवार, अस्तूबर 10, 1987/आखिन 18, 1909

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 10, 1987/ASVINA 18, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था की जाती है जिससे कि यह असर्ग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## भाग II—इत्यह 4 PART II—Section 4

रक्षा मन्त्रालय द्वारा जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं Orders and Notifications issued by the Ministry of Defence

### रका मंत्रालय

नई दिल्ली, 21 सितम्बर, 1987

का नि आ 294—राष्ट्रपित, संविधान के प्रमुच्छेत 309 के परस्तुक द्वारा प्रवत शक्तियों का प्रयोग करते हुए और नौसेना (समूह "ग", भनौधोगिक पद, भोटर परिवहन कर्मचारिवृन्द) मर्ती नियम 1979 को, उन बातों के सिवाय मधिकास्त करते हुए, जिन्हें ऐसे मधिकमण से पहले किया गया है या करने का लोप किया गया है, गौसेना में मोटर परिवहन कर्मचारिवृन्द क कत्तिपय समूह "ग" भनौधोगिक पदो पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, मर्थात् ──

- (1) सक्षिप्त नाम ग्रीर प्रारम्भ (1) इन निरामो का संश्रिष्त नाम नीसेना (ममूह "ग" ग्रनीकोगिक पद, मोटर परिवहन कर्मेचारिवृन्द) भर्ती नियम, 1987 है।
- (2) ये राजपत्र मे प्रकाशन की नारीख को प्रवृक्त होगे।
- 2 लाग् होना ये नियम इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्त्रस्थ 2 में विनिदिष्ट पदो को लाग् होगे।
- 3 पत सख्या, बर्गीकरण ग्रीर वेननमान उक्त पदो ⊤ी मख्या, जनका वर्गीकरण ग्रीर जनके वेतनमान वे होगे जो पूर्वोक्त मनुसूकी के स्तस्म 3 से 5 में बिनिर्विष्ट हैं।
- 4. भर्ती की पद्धति, भाषु सीमा, भौर मन्य मर्नुता<sup>त</sup> श्रावि उक्त पदो पर भर्ती की पद्धति, भाषु सीमा, श्रह्नैताए श्रीर उनसे सबझित भन्य बाते <sup>वे</sup> होगी जो उक्त भन्**सुची के** स्तम्भ 6 से 14 में विनिर्दिष्ट है।
  - 5 निरहेता वह व्यक्ति—
  - (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी परनी जीवित है, विवाह किया है, या
- (खा) जिसने श्रपने पति या अपनी पत्नी के जीविन होने हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है, उक्त पदी में से किसी पद पर तिमुक्ति का पाह नहीं होगा

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति धीर विवाह के मन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के सखीन मनजेय है मौर ऐसा करने के लिए अप ब्राधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

- 6. जिथिल करने की शक्ति : जहां केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना प्राथश्यक या समीभीत है, वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबढ़ करके इन नियमों के किसी उपबंध को जिसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, प्रादेश द्वारा जिथिल कर मकेगी।
- 7. क्यावृत्ति : इन नियमों की कोई बात, ऐसे झारकाणों, झायु सीमा में छूट झीर झन्य रियायनों पर प्रभाव नहीं उलियी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय समय पर निकाले गए झादेशों के झनुसार झनुसूचिन जानियों, झनुसूचिन जनजानियों, भूनपूर्व सिनकों और झन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपवर्ष करना अपेकिल है।

			भनुसूची		
पदं का नाम	 पदों की सं <del>ख्</del> या	बर्गीकरण	वेतनमान	स्यन पर प्रथया प्रथम पर	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए ग्रायु सीमा
1	2	3	4	5	6
ा. परिवहन फोरमन	10* (1907)	साधारण केन्द्रीय सेवा, समृत्र 'म', मराजपन्नित, मननुसचिनीय, धनौषोणिक।	550-20-650-25- 750 हमये	<b>ज</b> यंन	30 वर्ष । (इस संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर आरी किए गए
	*कार्यभार के धाक्षार पर पश्चितेन किया जा मकता है।	entrantities (			ब्राधेशों / धनुदेशों के ब्रनुसार सर- कारी सेवकों के लिए 35 वर्ष नक शिषिल की जा सकती है।
नीधे भर्ती किए जाने	<del></del>		र्गिकिए जाने वाले व्यक्ति समुद्रौरणक्षिक झर्वंताएं प्रोप् विता में लागू होती या नही	•	रिवीक्षा की भवधि यदि कोई हो
	8		9		10
	नसरी में 5 वर्ष वे	के स्थाबहारिक अनुभव के ते चलाने की अनुकरित,	नर्हीं	<b>সী</b> ন্ন	सर्ती किए जाने याले व्यक्तियों के लिए 2 वर्ष ति/प्रन्तरितियों के लिए कोई परिवीक्षा बिंगही ।
भर्तीकी पद्धतिभ द्वारा विभिन्न पर		प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्था गरी जाने वाली रिक्तियों की ग	•		द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणिया ानोतरण किया जायगा
	11	<u> </u>			12
प्रोप्तति द्वारा, जिसक न हो सकने पर सीध		, स्थानास्तर <b>ण द</b> ारा <b>धौ</b> र दोनो के	सेवा वेदाक विचा परीक्ष	की है, जिसके न हैं जिक्होंने उस श्रेणी र किए जाने के लि ा भवस्य उत्तीर्ण कर	विक्षक जिन्होंने उस श्रेणी में 5 वर्ष ो सकने पर, ऐसे मोटर परिवहन पर्यं- मे 8 वर्ष सेवा की प्रोक्षति के लिए ए पात्र यनने के लिए विभागीय श्रहेंक र ली हैं।
			श्चेणिय	<mark>गन्नो को निम्नतर वि</mark>	
 यदि विभाग	गीय प्रोक्सति समिति ।	हे द्वो उसकी संरचना	रक्ता सेव श्लेणिय विनि	बाम्नो को निम्नतर विष् ग्रो में कार्य करने वा विष्ट श्रह्मैताएँ हैं। ने में किन परिस्थितिः	ले ऐसे व्यक्ति जिनके पास स्तम्भ ८ में —
. <del></del>		3	रक्ता सेव श्लेणिय विनि	बाम्नो को निम्नतर विष् ग्रो में कार्य करने दा विष्ट श्रह्मैताएँ हैं। ने में किन परिस्थितिः किस	ले ऐसे व्यक्ति जिनके पास स्तम्भ 8 में — ——— पो में संघ लोक सेवा भ्रायोग से परामक्षे
समृह "ग" विभागीय 1. बाध्यक्ष :		3 में भिम्नलि <b>वि</b> त होंगे :——	रक्ता सेव श्लेणिय विनि	बाम्नो को निम्नतर किः यो में कार्य करने या विष्ट धर्हैनाएँ हैं । ने में किन परिस्थितिः किय	

•	2	3	4		5		6		7	
	प्रधान मोटर परिवहन पर्यवेक्षक	2* ( 1987) *कार्यभार के धाधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।		सेवा, समूह 'ग', धनमुमिषवीय,	380-12-500- <b>र</b> 15-560 <b>रुपये</b>	रो अध्यन		हारा समय गए भादेशो सरकारी से	में केन्द्रीय समय पर जा /प्रानुदेशों के जकों के लिए जा सकती है	री किए प्रमुसार 35 वर्ष
		8		9		10			11	
1.	मैद्रिकुलेशन या समतुल्य	τ≀		नही	सीधे भर्ती किए जाने	माले व्यक्तियों के	लिए प्र	गोन्नति द्वारा, जि	सिकेन हो सब	मे पर
2.	उसी क्षेत्र में 3 वर्ष	का व्यावहारिक	प्रनुभव ।		2 वर्ष		₹	थानांतरण द्वारा	भौर दोनों वे	ः न ह
	भारी यानों को च होनी चाहिए। —————	माने की श्रमुका 	प् <b>त सव</b> स्य		ं धोक्सति/ग्रन्तरितिय परिचीक्षा ग्रवधि ~			तकने पर, मीधी	भर्ती द्वारा ।	
		12	·		13				14	
					 ' विभागीय प्रोप्तति स					
स्था	के लिए विभागीय द्या नांतरणः स्वेबाद्यो की निम्नस्त			2 सदस्य	डर यासमतुल्य पंक्ति व ाः टकमांडर/लेफ्टिनेंट					
	उच्चतर श्रेणियों में स्तम्भ 8 में विनिर्दिष्ट ।	कार्यकरने वाले प्रहेला हैं।			कारी (एक विभागीय	_				
1 3.		कार्य करने वाले प्रहेंला हैं।		े पास प्रधि 	,	भीर एक भन्य) 		समय समय घादेशों/प्रनु कारी सेवक	7 	कर्णा पर सर वर्षतः
1 	स्तम्भ 8 में वितिर्दिष्ट व	कार्य करने वाले पहुँता हैं। 3 18* (1987) *कार्यभार के भाधार पर परिवर्तन किया जा	ऐसे व्यक्ति जिनवे 	त्र पास ग्रीध 4 तथा, समूह 'ग', ननुमचिषीय,	कारी (एक विभागीय 5 330-8-370-2.रो	भीर एक भन्य) 		(इस सबध में समय समय प्रादेशों/श्रम् कारी सेवक	न पर जारी वि देशों के धनुम ते के लिए 35	कर्णा पर सर वर्षतः
3. 1. 2.	स्तम्भ 8 में वितिर्दिष्ट व 2 मोटर परिवहन पर्यवेक्षक	कार्य करने वाले पहुँता हैं। 3 18* (1987) *कार्यभार के भाधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	ऐसे व्यक्ति जिनवे 	े पास प्रिधि  4  ाना, समूह 'ग', ाननुमिबिबीय,  1  सीधे भर्ती किः  अयक्तियों के	कारी (एक विभागीय 5 330-8-370-य. रो 10-480 स्पर्य  7 जाने वाले प्रोस्नित् लिए 2 वर्ष । प	भीर एक भन्य) 		(इस मबध में समय ममय पायेणों/प्रमु कारी सेवक शिधिल की प्रेसिन की थेंगी 1 जिस् सेवा की है	ा पर जारी विदेशों के प्रमुप्त वे के लिए 35 जा सकती है 	तिए गा र सर्व वर्ष तिथ् ।) 
1 3.	हतस्म 8 में वितिर्दिष्ट प 2 मोटर परिवहन पर्यवेक्षक विभिन्न प्रकार के मान	कार्य करने वाले पहुँता हैं। 3 18* (1987) *कार्यभार के भाधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	ऐसे व्यक्ति जिनवे साधारण केन्द्रीय ने मराभपन्निन, इ प्रनीद्योगिक	प्राप्त प्रिधि  4  ावा, समूह 'ग', निनुमिचिवीय,  मीधे भर्ती किः  ग्रेषिक्यों ने  प्रोफिति/प्रः  लिए कोई	कारी (एक विभागीय 5 330-8-370-य. रो 10-480 स्पर्य  7 जाने वाले प्रोस्नित् लिए 2 वर्ष । प	भीर एक भन्य) - चयन - चयन र स्थानांतरण द्वार		(इस मबध में समय ममय प्रावेगों/प्रन् कारी सेवक जिथिल की प्रेमित: ऐसा मोटर पि श्रेणी 1 जिस् सेवा की है किए जाने	ा पर जारी विदेशों के प्रमुप्त वे के लिए 35 जा सकती है 	तिए गा र सर्व वर्ष तिथ् ।) 

		14				
समूह 'ग' विभागीय प्रोन्नति समि	ति जिसमें निम्नलि	बित होंगे :			लागू नहीं होता	
1. ग्रध्यकाः						
कर्माकर या समतुल्य पंत्रित व	ा एक <b>मधिकारी</b> ।					
2. सदस्य:						
लेपिटनेंट कमांडर/लेपिटनेंट विमागीय ग्रीर एक ग्रन्य)		त के 2 ग्रधिकारी (एक				
	<del>_</del>				<del></del>	
1 2		3	4		5	
<ol> <li>मोटर परिवहन बृाइवर श्रेणी</li> </ol>		*215 (1987) *कार्यभार के झाधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा, घननुसचिवीय, घनौद्यो	•	रित्तत, 320-6-326-8-390-10- 400 चपये	
6		7 	8 	9		
<b>श्च</b> यन		लागू मही होता 	लागू नही होता ——- — ——	मागू नहीं हो। 	ता लाग् महीं होता 	
11		12		13	14	
	कृष्ट्वर, वि है भीर जिल	रेवहन ड्राइवर श्रेणी 2 या न्होंने उम श्रेणी में 5 वर्ष होंने भारी यानों को चलाने गउत्तीर्ण कर लिया है।	सेवा की 1. भ्रष्ट्यक्ष : के लिए कमांडर 2. सदस्य : लेपिटनेंट	कमाडर/लेपिटनेट 2 मधकारी (एक f		
1 2	3	4	5	6	7	
5. मोटर परिवह्न ब्राइवर श्रेणी-2	*306 स (1987) *कार्यभार के ग्राधार पर परिवर्सन किया जा सकसा है।	प्रघारण केन्द्रीय सेवा, सम् ग्रराजपन्नित, ग्रसमुसचित्रीय, ग्रनीद्योगिक।		_	30 वर्षं। (इस संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वार समय समय पर जारी किए गा धादेशों/मनुदेशों के धनुसार सर कारी सेवकों के लिए 35 वर्ष तक शिषिल की जा सकती है।)	
				)	11	
<ol> <li>भारी यानों और मोटर स आवश्यक होना चाहिए!</li> <li>मोटर बाहवर के रूप में बाछनीय</li> <li>मिडिस स्कूल स्तर उसीर्ण।</li> </ol>			सीधे भनी किए जाने व प्रोन्नत व्यक्तियों के लि प्रन्तरितयों के लिए के नहीं।	ाए 2 वर्षं।	प्रोम्निति द्वारा, जिसके न हो सकने पर स्थानान्तरण द्वारा, धौर दोनो के न हो सकने पर, सीधी चर्ती द्वारा।	

12 समूह "ग" विभागीय प्रोन्नति समिति जिसमें निम्नलिखत हांगे :---प्रोन्नति । लाग नहीं होता ऐसे प्रधान स्तेहक (लुक्रिकेटर) या टायरमैन, जिहोंन्ने उस श्रेणी मे । ग्रध्यक्षः 2 वर्ष सेवा की है भीर जिनके पास भारी याची को चलाने की अनु-कर्मांडर या समकुल्य पश्चि का एक प्रक्षिकारी। अप्ति है भौर जो व्यावसायिक परीक्षण उत्तीर्ण करते हैं, जिसके नवस्य न हो सकने पर, ऐसे स्नेहक (लुब्रिकेटर) या ग्रीजर या मोटर लेपिटनेट कमांडर/लेपिटनेंट या समतुल्य पक्ति के 2 प्रधि-परिवहन नसीनर, जिन्होने उस श्रेणी में 4 वर्ष सेवा की और कारी (एक विभागीय भीर एक भन्य)। जिनके पास भारी यानों को चलाने की अनुक्रप्ति है भीर जिल्होने प्रोन्निति के लिए विचार किए जाने के लिए पाझ बनने के लिए विभागीय परीक्षण उत्तीर्ण कर लिया है। स्यानांसरण: रक्षा सेवाको की निम्मतर विरचनाधों में मरूप मतुल्य या उच्चतर श्लेणियों में कार्य करने वाले ऐसे व्यानित जिनके पाम स्तम्भ 8 में बिनिर्विष्ट भ्रहेंसाए हैं। 3\* साधारण केन्द्रीय मेवा, समृहु 'ग', 260-6-326-द . रो .-४- प्रचयन 30 वर्ष ∤ सबार हरकारा (1987) मराजपत्रित ग्रनन्मचित्रीम, 3 5 0 रुपये (इस संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वारा श्रनोधोगिक \*कार्यभार के मसय समय पर अपरी किए गए बादेशीं/प्रनृदेशों के प्रनृसार सरकारी भाषार पर सेवकों के लिए 35 वर्ष तक शिथिल परिवर्तन किया जा सकता है। को जा सकती है।) भारी यानो भौर मोटर साईकिलो को चलाने नर्ही की अनुसरित भावस्यक होनी चाहिए। 2. मोटर परिवहन ड्राइवर के रूप में 2 वर्ष का धमुभव । वां**छनीय**ः मिडिल स्कूल उत्तीर्ण। 10 सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए भीर प्रोमत व्यक्तियों प्रोक्षति द्वारा, जिसके न हो सकने पर, प्रोचित : स्थानान्तरण द्वारा मौर दोनों के न हो सकने ऐसे प्रधान स्नेहक (लुक्किटर) मौर टायर मैन. के लिए 2 वर्ष। पर सीधी भर्ती द्वारा। जिन्होंने उस भोणी में 2 वर्ष सेवा की है अन्तरितियों के लिए कोई परिवीक्षा भवित्र नहीं । भौर जिनके पास भारी यानी भौर मोटर साइकिले पलाने की मनुश्रसि है मौर जो धर्हक परीका उसीर्ण कर सकते हैं। स्थाना स्तरण : न्द्रा सेवाओं की निस्ततर किरचनाकों में समरूप सममुल्य या उच्चतर श्रेणियों में कार्य करने बाले ऐसे ब्यनिय जितके पास स्तम्भ 8 में विनिर्विष्ट प्रईताएं 🥻 ।

1.3

सम्रह 'ग' विभागीय प्रोन्नित समिति जिसमें निम्निलिखित होगे :

लाग नहीं होता

1. ग्रध्यकः

भमारर या समनुत्य पंक्ति का एक भधिकारी ।

2. सवस्य :

क्षेपिटनेंट कमांडर/लेपिटनेंट या समतुल्य पवित के 2 अधिकारी (एक विभा-गीय ग्रीर एक भन्य)

#### टिप्पणी :

- 1. अनुसूची के स्तम्म 7 में उल्लिखित आयु पीमा अव रारित करने के लिए निर्णायक सारीख, प्रत्येक मामले में भारत में अध्यिषियों से (उनसे भिन्न को अंडमान और निकोबार हीप तथा लक्ष्यद्वीप में हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी ऐसे पदों की बाबत, जिन पर नियुक्ति रोजगार कार्यालय के माध्यम से की जाती है, । आयुसीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख प्रत्येक मामले में वह अंतिम तारीख होगी जिस तक रोजगार कार्यालय से नाम भेजने के लिए कहा गया है।
- 2. श्रनुसूची के स्तम्भ 8 में उल्लिखित श्रनुभव संबंधी श्रष्टेताएं नियुक्ति श्रिधकारी के विषेकानुसार श्रनुसूचित जातियों और मनुसूचित जन जातियों के श्रभ्यांथयों की दशा मे तब शिथिल की जा सकती हैं जब चयन के किसी प्रक्रम पर नियुक्ति प्राधिकारी की यह राय हैं कि उनके लिए श्रारक्षित रिक्तियों को भरने के लिए श्रपेक्षित श्रनुभव रखने वाले उन समुवायों के श्रभ्यर्थी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हो सकेंगे।

[फा.सं. सी पी (एन और)/2808]

### MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 21st September, 1987

- S.R.O. 294.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Navy (Group 'C', Non-Industrial Posts, Motor Transport Staff) Recruitment Rules, 1979, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the fololiwing rules regulating the method of recruitment to certain Group 'C' Non-Industrial Posts of Motor Transport in the Navy, namely:—
- 1. (1) Short title and commencement.—These rules may be called the Navy (Group 'C' Non-Industrial Posts, Motor Transport Staff) Recriutment Rules, 1987.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Application.—These rules shall apply to the posts specified in column 2 of the Schedule annexed to these rules
- 3. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the said posts, their classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in column 3 to 5 of the Schedule aforesaid.
- 4. Method of recruitment, age limit and other qualifications, etc.—The method of recruitment, age limits, qualifi-

cations and other matters relating to the said posts shall be as specified in columns 6 to 14 of the said Schedule.

14

- 5. Disqualification.-No person-
  - (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
  - (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to any of the said posts:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for doing, exempt any person from the operation of this rule.

- 6. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, and for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.
- 7. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Fx-Servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

Gardel Attended	7.T	Classic	Seal5	Whether	Age limit	or direct	Edmontion	al and other qua-
Serial Name of No. the post	posts	Classification	Scale of Pay	selection post of Non- selection post	recruits	or attect		recquired for
1 2	3	4		6	7	-	8	
I. Foreman of Transport.	(1987) *Subject to variation dependent on work-load.	General Central Service, Group 'C' Non- Gazetted, Non- Ministerial, Non-Industrial.	Rs. 550-20- 650-25-750		ment se years with the truction the Cer ment	ole for Govern rvants upto 35 in accordance ic orders/ins-	- valent 2. Diplor bile En years p and pos licence falling with 8 in an or bile we ssessing ving he	na in Automo- ngineering with a ractical experience seesing a driving for heavy vehicles which candidates years experience ganised automo- prix shop and po- tallicence for dri- avy vehicles may sidered for appo-
2. Head Motor Transport Supervisor.	*2 (1987) *Subject to variation dependent on work- load.	General Central Service, Group 'C' Non- Gazetted, Non- Ministerial, Non-Industrial.	500-EB-15- 560.		ment 35 year with th ctions Central	servants upto s in accordance e orders/instru- issued by the Gorernment me to time in	- valen 2. 3 year ence 3. Must	iculation or equit.  Its practical experi- in the line.  possess licence for g heavy vehicles
9	10		11		12	13	<del></del>	14
No	Two years for direct recruits.  No probattion period for promotecs/transferees.		failing Hecruit-	ead Motor 7 Supervisor w service in tl failing that Transport S with 8 years	ransport ith 5 years h grade, Motor Superivsor service in Must pass tental quato become consideramotion.  g in simint or highin the cions of the yeices and qualifica-	Group 'C' Depa Promotion C consisting of 1. Chairman: Officer of the Commander valent. 2. Members: 2 Officers of of Lieutenant nder/Lieutena equivalent, partmental ar independent).	ommittee:  rank of or equi-  the rank Comma- int or (one de-	Not applicable.
No	Two years for direct recruits.  No probation period for promo tees/transferees.	d -	and fai- Mirect re-	Must pass fying do test to beco for conside promotion. ansfer: Persons servi lar, equiva gher grades wer format Defence Se	the grade, in a quali- partmental me eligible ration for lent or his in the locions of the cryices and qualifica-	Group 'C' Dens Promotion Coi consisting of 1. Chairman: Officer of the Commander valent. 2. Members: Two Officer rank of Lie Commander nant or equiv departmenta independent)	rank of or equi-	Not applicable.

1 2	3	4 5	6	7	8	
7. Motor Transport Uriver, Grade-II.	306* (1987) *Subject to variation dependent on work-load.	General Central Rs. 2 Service, Group 326-L 'C' Non- 350. Gazetted, Non- Ministerial, Non- Industrial.		30 years. (Relaxable for ment servants years as per instructions is the Central G ment from time in this jegs	Crovern-licence upto 35 and 1 orders/ 2. Two sued by Motor overn-lime to Standa	t posses, a driving t for heavy velicales Motor Cycles, years experience as r Transport Driver, ble Middle School and pass.
6 Despatch Rider,	3* (1987) Subject to variation dependent on work- load.	General Central Rs. 26 Service, Group 326-E 350. Gazetted, Non-Ministerial, Non-Industrial.		30 years. (Relaxabe or Coment servant to years as per instructions is the Central ment from to time in this region.)	Govern- licency upto 35 and orders/ 2 Two sued by Motor Govern- Desirab ime to Standa	t possess a driving ce for heavy vehicles Motor Cycles. years experience as Transport Driver. ile: Middle School and pass.
9	<del>,10</del> -		12		13	14
No	Two years for direct	By promotion, failing that by transfer, and failing both by direct recruitment.	Promotion: Head Lubricato reman with service in th and possessing ing licence for vehicles and wilify in the tra failing that Lu or Greaser of Transport with 4 years in the grade an ssing a driving for heavy vehi who qualify in partmental become eligit consideration motion. Transfer:	r or Ty- 2 years e grade it a drivi- or heavy who qua- ide test, abricator r Motor Cleaner service d posse- glicence cles and it the de- test to ble for for pro-  ring in alent or in the ons of Services ag quali-	C' Departmental tion Committee sting of:- rman: r of the rank of mancer or equi- t.	
No	promotees.  No probation period for transferees.		Promotion: Head Lubricate Tyreman with service in the and who posse ving licence for vehicles and Cycles and wes in a qualification ar, equivalent er grades lower formathe Defence ces and p qualifications ed in column	or and Prom consider grade 1. Chain considers a dri- or heavy Motor ho pass- ying test Two rank Common in similar in the ations of e Servi- ossessing specifications of a 8.	er of the rank of mander or equit.  abers:  Officers of the of Lieutenant mander/Lieutenant quivalent (one rtmental and one eendent).	t
Notes : 1. Cru	icial date for	determining the age li- receipt of application fr	mit mentioned in	n column 7 of t	he Schedule will	in each case be the

Notes: 1. Crucial date for determining the age limit mentioned in column 7 of the Schedule will in each case be the closing date for receipt of application from candidates in India (other than the Union Territories of the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep). In respect of posts, the appointments to which are made through the Employment Exchange, the crucial date for determining the age limit will in each case be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names.

2. The qualifications regarding experience mentioned in column 8 of the Schedule is relaxable at the discretion of the appointing authority in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, if at any stage of selection, the appointing authority is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.

## नई दिल्ली, 21 जुलाई, 1987

या. नि.आ 295:—राष्ट्रपति, संविधान के अनुष्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त भक्तियों का पयोग करते हुए, कालेज आफकस्बेट (समृह 'ख''पद) भर्ती नियम, 1976 का और संशोधन करने के लिए निस्तिलिखन नियम बनाते हैं, अर्थात --

- া (1) इन नियमों का मंश्रिप्त नाम नालेग आफ गम्भेट (समृतु अ" এছ) भनी संगोधम निमम, 1989 টু।
- (2) ये राजपस में प्रकाणन की तारीख की प्रवृक्त होंगे।
- ं कालेज आफ कम्बेट (समृह "ख" पद्य) भर्ती नियम, 1976 में पुस्तव।लय अध्यक्ष श्रेणी 1 के पद में सबक्षित अस सक्रया 1 वे मामन निम्नालिखित अनुसूची रखी जाएमी, अर्थाह्न --

			अनु <b>मृची</b>			
दंकान≀स	पदो की संख्या	वर्गीकरण	वेतनगा <b>न</b>	चयन पद अवदा अचयन पद	सीधे भर्ती किए जान बाले ज्यक्तियो के लिए आयु-सीमा	सेवा में जाडे गए, धर्षों का फायदा बन्द्रीय सिविक्त भेषा (पेणन) नियम, 1972 के नियम 30 क अधीन अनुजोय है
1	2	3	4	5	6	7
। पुस्तकालय अध्यक्ष श्रेणी ।	ा * (1987) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन कि	या		लागू नहीं होता	30 वर्ष से अधिक नहीं (बन्दीय सरकार द्वारा जा किए गण अनुवेशो या आ- देशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक शिषिल की जा सकती हैं) टिप्पणअग्रु सीमा अव धारित करने के लिए नि- श्रीयक तारीख, भारत के अभ्योधियों से (उनसे भिन्न जो अंडमान ग्रीर निकोबार द्वीप तथा लक्षद्वीप से हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई धानिम नारीख होगी।	
 सीखे भर्ती किए जाः अहेताए	ने दाने व्यक्तियों ने	लिए मैक्सिक स्रोर अन्य	विज्ञित आयु स्रोर	याले व्यक्तियों के लिए गैक्षिक अर्हतार्थ प्रोज्ञत में लागृहोगी या गही		<b></b> - र्ड हो
	8			9	10	~ <del></del>
या समसुत्य (2) निर्मी मान्यस		तय से मास्टर की डिग्री लय या संस्था से पुस्त- तुल्य बिष्लोमा ।	अत्युनहीं शैक्षिक अर्श्याण्हां		साधे भर्ती किए गण व्यक्तिय वर्ष प्रोक्षत/स्थानास्तरिक अ्यि परिजीक्षा मही ।	

8	9 10
(3) किसी पुस्तकालय में 2 बर्ष का अनुभव । टिप्पणी 1 अर्हनाएं अन्यथा सुअहिन अभ्ययियों की दणा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार णिथिय की जा सकती है ।	·
टिप्पण 2 अनुभव सबधी अहंना संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित जासियों स्रीर अनुसूचित जनजासियों के अध्यक्षियों की देशा में तब शिक्षिल	
की जा सकती है जब चयन के किसी प्रश्न पर	
संघ लॉक सेवा आयोग की यह राम है कि उनके	
लिए आ रक्षित रिक्तियों का भरते के लिए अप- क्षित अनुमव रखने व⊧ले उन सन्दायों के अभ्यर्थी	
पर्याप्त संस्था में उपलब्ध होने की संभावना नही	
है।	
वास्त्रीय	
<ul> <li>(1) फिसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय मे पुस्तकालय विज्ञान              में मारटर की डिग्री या समनुख्य ।</li> </ul>	
(2) प्रलेखन कार्यका अनुभव।	
(3) अग्रेजी में भिन्न किसी अधिनिक यूरोपियन भाषा का कार्य-	
माधक शान ।	
भर्ती की पद्धति/सर्ती सीधे होगी या प्रोक्षति द्वारा यः प्रतिनियुक्ति/स्थानास्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियो द्वारा भरी जाने वासी रिक्तियों की प्रतिशक्तना	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्यानास्तरण द्वारा मर्ती की दणा में वे श्रीणया जिनसे प्रोप्नति प्रतिनियुक्ति/स्यानास्तरण किया जाएगा
11	12
प्रोन्नित द्वारः/प्रतितिकृक्ति पर स्थातान्तरण जिनके न हो सकते पर सीधी भर्ती	
वरित (	<ul> <li>केन्द्रीय सरकार के अधीन ऐसे अधिकारी:</li> <li>(क) (1) जो नियमित आधार पर सदृष्ण पद धारण किए हुए है।</li> </ul>
	(क) (1) जा नियानित जाबार पर तपूरा पर बार्ज किंगु हुए हूं। (2) जिन्होंने कमशः 550~~900 ह्मए /1425-700/800 ह्मए
	के येकनमान बाले या समतुत्य पदो पर अ/८ यर्ष नियमित
	मेबा की है। <b>जो</b> द
	(ख) जिनके पास स्तम्भ ८ के अधीन सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तिये के लिए पैक्षिक अर्हताए गौर अनुभव आदि हैं ।
	2 650960 रुपए के वेतनमान में ऐसे विभागीय पुस्तवालय अध्यक्ष धेणी
	1 (राजपिक्षत) जिन्होंने उस श्रेणी में 2 वर्ष निर्यामत सेवा की है पर भी विचार किया जाएगा भीर पद पर नियुक्ति के लिए उनके चयन की दणा
	में उसे प्रोन्नति द्वारा भरा गया समझा अः एतः । (फीडर प्रथमें के ऐसे
	विभागीय अधिकारी जो चयन की सीधी पंक्ति में हैं प्रतिनियुक्ति गर नि-
	युक्ति के लिए पुनः विकार किएँ जाने के पान्न नहीं होंगे। उसी तरह प्रतिनियुक्त व्यक्ति प्रोन्नति पर नियुक्ति के लिए विकार किए जाने के पान्न
	नहीं होगे । (प्रतिनियुक्ति की थर्बाछ, जिसके अन्तर्गत उसी संगठन/विभाग
	मे इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य कासर बाह्य पद पर
	भितितियुक्ति की अविधि है, साधारणतथा सीन वर्ष से अधिक नही होगी )।
र्याद विभागीय प्रोन्नति र्मार्मात है तो उसकी सरचना	भर्ती करने के लिए किन परिस्थितियों में संघ लोक सेथा आयोग से परामणं किया जाएगा !
13	14
मित्र के से के किया करते के लिए।	प्रत्येक अवसर पर संघ लीन मेजा आसीर में परामर्श करना आवश्यक है।

1.3

- (1) अपर महानिदेशक, सेना प्रशिक्षण---अध्यक्ष
- (2) उप महानिदेशक, मैना प्रशिक्षण--- मदस्य
- ( 3 ) मुख्य प्रणासनिक अधिकारी- सदस्य

358

टिल्पण - - पृथ्टि से संबंधित विभागीय प्रोक्षति सीमिति की सार्यवाहिया. सथ लोक सेवा अत्योग के अनुमोदनार्थ भेजी जाएंगी किन्तु, यदि आयोग उनका अनुमोदन नहीं करना है तो विभागीय प्राव्यति सीमिति की बैटक संघ लीक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की अध्यक्ष-ता से फिर से होगी।

टिप्पण --- मूल नियम, भारत के राजपन्न भाग-2 खड़ 4 तारीख 1 जनवरी, 1979 में भारत सरकार के रक्षा मुतालय की अधिसूखना मं का नि आ 5 तारीख 15 विसम्बर, 1976 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और तत्पश्चान प्रनका संशोधन निम्नलिखित द्वारा किया गा।।

- (1) भारत के रश्जपक भाग 2, खंड 1 में प्रकाशित भारत सरकार के रक्षा महालय की अधिमूचना सं. का नि आ . 25 तारीका 4 जनवरी
- (2) भारत के राजपत्र, भाग 2, खड़ 4 में प्रकाशित भारत सरकार के रक्षा मजालय की अधिमुचना सं. 125 तारीख़ 18 मई, 1941।

[फाइल सं. 15035/जी एस/एम टी-7]

### New Dellii, the 21st July, 1987

S.R.O. 295.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the College of Combat (Group 'B' posts) Recruitment Rules, 1976, namely:—

1, (1) These rules may be called the College of Combat (Group 'B' posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1987.

- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the College of Combat (Group 'B' posts) Recruitment Rules, 1976 against serial No. 1 relating to the post of Librarian Grade 1 the following Schedule shall be substituted, namely:—

candidates otherwise well qualified.

Note 2. The qualification regarding experience is relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled

### **SCHEDULE**

Name of post	No. of post	Classification	Sea	ale of pay	Whether selection post or non- selection post
	2	3		4	5
l Librarian Grade l	"I(1987) *Subject to variation dependent on workload.	General Central Services Group 'B' Gazetted, Non-Ministerial	3.5-8 880	. 650-30-740- 810-EB-35 0-40-1000- -40-1200	Not applicable
-FACING		•			· <del></del>
Age limit for dire	ect recruits	Whether benefit of ad of service admissible t 30 of the Central Civi (Pension) Rules, 1972.	inder rule I Service	Educational and direct recruits.	other qualifications required for
<i></i>	6 -	7	<del></del>	alangan maka sa kilo a alahamin daga mayan agan	8
vernment serv dance with in the Central Go	0 years (Relaxable for cants by 5 years in acstructions/orders issued element).	xor- i by		equivalent. (ii) Degree or an	ce of a recognised University or equivalent Diploma in Library recognised University or institution
limit shall be t of applications	the closing date for	receipts in India		(iii) 3 years' exp	erience in a library.  ations are relaxable at the discretion

359 भारत का राजपता अस्तुबर 10, 1987 अभित्र ।8, 1909 भाषः II--- चड 4] Tribes if at any stage of selection Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from those communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them. Desirable: (i) Master's degree in Library Science of a recognised University or equivalent. (ii) Experience of documentation work (iii) Working knowledge of a modern European language other than English. Method of recruitment. Whether by direct recruit-Whether age and educational qualifications Period of Probation if any ment or by promotion or by deputation, transfer prescribed for direct recruits will apply in case and percentage of the vacancies to be filled by various of promotees. methods. 10 11 - ----Age: No Educational qualifications: Yes Two years for direct recruits, By promotion, transfer on deputation failing which No probation for promotees/ by direct recruitment transferces In case of recruitment by promotion/depu- If a Departmental Promotion Committee Circumstances in which UPSC, is to be consulted in making recruitment. tation/transfer, grade from which promotion/ exists what is its composition. deputation/transfer to be made. 13 12 Group 'B' Departmental Promotion Com- Consultation with U.P.S.C. necessary on Promotion/Transfer on deputation each occasion. 1. Officers under the Central Government: mittee (for considering confirmation) (i) Additional Director General of Mili-(a)(1) holding analogous posts on a regular tary Training—Chairman. basis. (ii) with 3/8 years regular service in posts in (ii) Deputy Director General of Military the scale of Rs. 550-900/425-700/800 res-Training (PCT) Member. (iii) Chief Administrative Officer - Member pectively or equivalent and (b) possessing the educational qualifications, Note: The proceeding of Departmental promotion Committee relating to confirexperience etc., for direct recruit under comations shall be sent to the U.P.S.C. for lumn 8. aproval. If, however, these are not 2. The departmental Librarian Grade II (Gazetted) in the scale of 650-960 with 2 approved by the Commission., a years regular service in the grade will also fresh meeting of Dapartmental Pomoby considered and in case he is selected for tion Committee to be presided over by the Chairman or Member of the U.P.S.C. appointment in the post, the same shall be shall be held. deemed to have been filled by promotion (The departmental officers in the feeder he category who are in the direct line of promotion will not be eligible for re-

Note:—The principal rules were published in the Gazette of India, Part II. Section IV dated the 1st January, 1977 vide notification of the Government of India in the Ministry of Defence No. S.R.O. 5 dated the 15th December. 1976 and subsequently amended by

consideration for appointment on deputation. Similarly deputationists shall not be eligible for consideration for appointment by promotion. Period of deputation including the period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/department, shall ordinarily not exceed 3 years)

(1) Notification of Government of India in the Ministry of Defence No. S.R.O. 25 dated the 4th Janu-

- ary, 1983, published in the Gazette of India, Part II, Section IV.
- (ii) Notification of the Government of India in the Ministry of Defence No. S.R.O. 125 dated the 18th May, 1984, published in the Corrette or India, Part II, Section IV.

[File No. 45035/GS/MT 7]

والتراكية والمنافر والمراكز والمراكية والمنافرة والشوافي والمراكز والمنافر والمراكز والمنافر والمنافر والمنافرة والم

मई दिल्ली, 3 भ्रागस्त, 1987

New Delhi, the 3rd August, 1987

- का. नि. भा. 296 :⊶-राष्ट्रपति, सॅबिधानके श्रमुच्छेद 309 के परस्तुक द्वारा प्रवत्त शक्तियो का प्रयोग करते हुए, सैनिक इंजीनियर सेवा (सहायक इंजीनियर वी/ब्राफ) और सहायक इंजीनियर (ई /एम.) भर्ती नियम, 1978 का और संशोधन करने के लिए निभ्नलिखित नियम बनाते है, ग्रथीत:---
- 1. (1) इन नियमों का संकिष्य नाम मैनिक इंजीनियर सेवा सहायक इंजीनियर (की./बार.) और सहायक इंजीनियर (ई./एम.) भर्ती (संशोधन) नियम, 1987 है।
  - (2) वे राजपत में प्रकाशन की तारीख की प्रवृक्त होगे।
- 2 सैनिक इंजीनियर सेवा सहायक इंजीनियर (बी./धार.) और सहायक इंजीनियर (ई./एम.) भर्ती नियम, 1978 में, नियम 7 के स्थान पर, नि≭नसिखित नियम रखा जाएगा, प्रथान् ----
  - "7. व्यावृत्ति :---इन नियमो की काई बात, ऐसे ग्रापक्षणी, आयु सीमा में छुट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नही जालेगी, जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सर्वध में समय-समय पर निकामे गए द्वादेशों के धन्सार बन्सूचित जातियों, धन्सूचित जनजातियों भूतपूर्व भैनिकों और प्रत्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना धर्विक्षत है।"
- टिप्पण:--मूल नियम, भारत के राजपत्न, भाग-11, खण्ड 4 तारीख 14-10-1978 में रक्षा मैतालय की सरकारी ध्रधिसूचना सं. का. नि. मा. 304 तारीख 6 भक्टबर, 1978 हारा प्रकाणित किए गए ये और उनका निश्नलिखित द्वारा पण्चात्-वर्ती संगोधन किया गया ---
  - (1) भारत के राजपत्त, भाग 2, खण्ड 4 तारीख 22 सित्रध्वर, 1979 से प्रकाशित सरकारी ग्राधिसूचना सं. का नि ग्रा 256 तारीख 12 सितःगर, 1978
  - (2) भारत के राजपन्न, भाग 2, खण्ड 4 नारीख 1 जुन, 1985 में प्रकाशित सरकारी घिधसुबना सं. का. ति. छा. 107 नारीख ' 28 अप्रैल, 1985
    - [फा. सं 85604/10/ए ईबी/फ्रार एड ई/एम/सी एस सी सी] एस. एस. उपल, अवर समित्र

- S.R.O. 296.-In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Military Engineer Service Assistant Engineers (B/R) and Assistant Enginee) (E/M) Recriutment Rules, 1978, namely:---
- 1. (1) These rules may be called the Military Engineer Service Assistant Engineer (B/R) and Assistant Engineer (E/M) Recriutment (Amendment) Rules, 1987.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Military Engineer Service Assistant Engineer (R/R) and Assistant Engineer (E/M) Recruitment Rules, 1978, for rule 7, the following rule shall be substituted,
  - "7. Saving .-- Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age-limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-Servicemen and other categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard,"

Note: The principal rules were published in the Gazette of India, Part II, Section 4 dated the 14th October, 1978 vide Government Notification, Ministry of Defence No. SRO 304 dated the 6th October, 1978 and subsequently amended vide: ---

- (i) Government Notification No. SRO 256 dated the 12th September, 1978 published in Gazette of India, Part II Section 4 of the 22nd September, 1979,
- (ii) Government Notification No. SRO 107 dated the 20th April. 1985 published in Gazette of India, Part II, Section 4 on the 1st June, 1986.

[F. No. 85604/10/AEB/R-AEE/M/CSCC] M. L. UPPAL, Under Secy.

# मई दिल्ली, 15 सितम्बर, 1987

- का. नि. आ. 297 —राष्ट्रपतिः संविधान के अनुक्टेर 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए और भारत भरकार रक्षा भंजा-लय की फर्शिसूचना स. का. नि. मा. 384 तारीख 4 नवस्व . 1974 द्वारा प्रकाशित, रक्षा प्रतुसधान भीर विकास सगठन, रक्षा संज्ञालय, प्येष्ठ लेखा धर्मिकारी भीर लेखाकार भर्ती नियम, 1974 को, उन मानों के नियाए ब्रधिकान्त करते हुए, जिन्हे ऐसे अधिक्रमण से पहले किया गया है या करने से लोग किया गया है. रक्षा अनुसंधान भीर विकास संगठन, रक्षा संतालय से लेखा अधिकारी भीर ज्येष्ठ अधिकारी के पदों पर भर्ती की पद्धति का विनियसन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते है--प्रवृति :
- ा. संक्रिप्त नाम भौर प्रारम्पः (1): --≱न निक्रमो का नॉक्षिप्त नाम. रक्षा श्रनुसंबान भौर विकास संगठन रक्षा संज्ञालयः, लेखा श्रष्टिकारी भौर ज्येष्ट विका व्यधिकारी भन्नी नियम, 1987 है।
  - (2) ये राजपत्र में प्रकाशन भी तारीख को प्रमुस होंगे।
  - 2. लागू होता : ये नियम इससे अगायक मन्मूची के स्नम्भ 1 में विनिविध्ट पद/पदी को लागू होंगे।
- 3. पद-मंद्रमा, वर्गीकरण कीर अंतनमार उर⊤ पर/पदी भी संख्या, उसका /उनमा वर्गीकरण घौर उसका/उतके भे⊤पमान बह होगां/दे शोंगे जो क्रमंग इन नियमों से उपाबद धनुमूची के स्तम्म 2 से स्तम्भ 4 में विनिधित्र हैं।

4 भर्ती की पहित, श्रायु-मीमा, भीर भन्य बहुँताएं श्रादि — उक्त पद/पदो पर मर्ती की पहित, श्राय-मीमा, श्रहुँताए और उससे /उनसे सबधित श्रन्थ बाते के होगी जी पूर्वीकत उक्त श्रनुसूची के स्तम्भ 5 से स्तम्भ 5 से स्तम्भ 14 में विनिर्दिष्ट है।

निर्फ्ता वह व्यक्ति

- (क) जिसने ऐसे ध्यक्ति से जिसरा पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या
- (ब) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी वे जीवित होने हुए विभी वनकित से विवाह किया है,

उन्त पद पर निश्नित ना पाल नहीं होगा

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसी विवाह ऐसे व्यक्ति और ऋग्य विवाह के ऋन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के ऋधीस अनुक्षेय है ध्रीर ऐसा करने के लिए श्रन्य श्राधार है तो वह किसी व्यक्ति कोइस नियम के प्रवर्तन से छ्ट देसकेगी।

- 6 शिथिल करने की शक्ति ---जहां केन्द्रीय संकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहा वह, उसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करके, इन नियमों ने किसी उपबंध को किसी वर्ष या प्रवर्ष के व्यक्तियों की बाबता आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।
- 7 व्यावृत्ति इन नियमो नी कोई बात ऐसे श्रारक्षणो, ब्रायु-मीमा मे छूट श्रीरश्रन्य रियायतो पर प्रभाव नही डालेगी, जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध मे समय-समय पर निकाल गए श्रादेणों के श्रनुमार श्रनुसूचित जातियी, श्रनुसूचित जनजातियों, भनपूर्व सैनिनो श्रीर श्रन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना श्रपेक्षित है।

	The second secon		ानुन्ची -			
पदो का नाम	पदो की सख्या	वर्गीका रूपा	वेतनमान	चधन पद ग्रथवा ग्रेचेशन पद	सीओ भर्ती किये जाने वाने व्यक्तियों के लिए श्रायुमीमा	सेता में जोडे गए तथे का फायदा केन्द्रीय मिथिल सेता ( पेंशन नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन भनुजैय है या नहीं
1	2	3	4	5	6	7
लेखा ब्रधिकारी	34' (1987) "कार्यभार के फ्राधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	स्पाधारण केन्द्रीय सेवा ममूह "ख" राजपित्रत, ग्रननुमचित्रीय	2375-75-3200- द रो -100-3500 फ	चयन	लागू नहीं होता	नही
ages suggests considerated to		-				
मीधे भर्तीकिए जाने कि अपीर अप्त्यड	वाले व्यक्तियों के लिए र्श्हनाए		केए जाने वाले व्यक्तियों अर्हताए प्रोन्नत व्यक्तियो			अवधि यदि कोई ह
	8		9		10	
लागू नही होता	and the second s		लागू नहीं होता		2 व	र्ष
भना का पद्धात/भनः द्वारा नथा विभिन्न शतना	सिबे होगी या प्रोन्नति ब पद्धतियो द्वारा भर्नी ज	ारा या प्रातानयुक्तात्स्या ने वाली रिकिनयो कीप्र 	नान्तरण प्राप्तात/प्रुातानग ति- प्रतिनियुक्ति/स्थाना	न्तरण कियाजा	द्वारा भना का <b>दशा मब</b> एगा।	श्रीणया जिनमे प्रोक्सति
	11			12		
33 1/3 प्रतिशत ह	रोम्नति द्वारा, जिसके न ह	ो सकने पर प्रतिनियुक्ति			सगठन मः तकनीकी	_
नान्त <b>रण</b> द्वारा ।	प्रतिनियु <b>र्वि</b> त पर स्थानान्त	तरण <sup>/</sup> स्थानीत्तरण द्वारा ।	निदेशालय	(बाय)मे ऐसे	लेखाकार जिन्होने नियमि	विकाम <b>भौ</b> र उत्पादन गत झाधार पर नियुक्ति
नान्त <b>रण</b> द्वारा ।	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्त	तरण/स्थानान्तरण द्वारा ।	निदेशालय के पश्चात प्रतिनियुक्ति प	(बाय) मे ऐसे ाउन श्रेणी मे	लेखाकार जिन्होने नियमि 5 वर्ष सेवा की है। गास्थानान्तरण किसी स	ति झाधार पर नियुक्ति

+

यदि विभागीय प्रोन्नित समिति है तो उसकी सरचना

भर्ती वरने मं किन परिस्थितिया में सघ लाक सेवा श्रायाग संपरामर्श किया जाएगा

13

14

समृत्र 'खा' विभागीय प्रोप्निति समिति (प्रोक्षति ग्रीर पृष्टि कंस २ घ में विचार करने के निर्ा)

- 1 अपर मिनव (रक्षा अनुमधान और विकास) या मुख्य नियन्नक (अनुसधान और विकास) — अध्यक्ष
- 3 निदेशक कार्मिक (अनुसंधान भ्रौर विकास) सदस्य

टिप्पण पुष्टि से सबधित विभागीय प्रोन्नित मिनित की कार्यवाहियो, मध लोक सेवा श्रायोग के श्रतुमोदनार्थ भेजी जाएगी, किन्तु, यदि झायोग उनका श्रतुमोदन नहीं करना है तो विभागीय प्रोन्नित सिनिति की बैठक मध लोक सेवा श्रायोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की श्रध्यक्षता में फिरसे होगी।

प्रतिनिमिक्ति प**र स्था**नान्तरण या स्थानान्तरण पत्र निय्क्ति के लिए किसी अबिरारी का चप्रत करने समय स**व** लोक सेप्रा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।

			4	_		
1	2	5	4	5	6	/
ज्येष्ठ लेखा श्रधिकारी		साधारण केन्द्रीय सेवा, समृह 'क''राजपत्नित अनतुसचिबीय		चयन	लाग नहीं हाना	नही
8		9		And Andrew Control of the Control of	10	
लाग् नहीं होता		लागू नहीं होता			2 वर्ष	

11

12

66 2/3 प्रतिशत प्रोक्षति द्वारा, जिसके न हा सकते पर प्रतिनियुक्ति पर स्थान नान्तरण द्वारा ग्रौर 33 1/3 प्रतिशत स्थानान्तरण/प्रतिनियुक्ति पर स्थाना-न्तरण द्वारा।

प्रोन्नति:

रक्षा श्रनुसधान श्रीर विकास तथा तकनीकी विकास श्रीर उत्पादन (वायु) सगठन निदेशालय ऐसे लेखा श्रधिकारी जिन्होने नियमित श्राधार पर नियुक्ति के पश्चात् उस श्रेणी मे 5 वर्ष सेवा की है। श्रवितियक्ति पर स्थानान्तरण या स्थानान्तरण

- (1) संगठित लेखा सेवा या विभाग से ऐसे प्रविकारी जो नियमित आधार पर सदृश पदधारण करने हैं, था
- (2) किसी सगिठत लेखा सेवा था विभाग से ऐसे श्रिष्ठिकारी जिन्होंने 2200-4000 रुपए के बेतनमान में 5 वर्ष नियमित सेवा की है।
- (3) किसी सगिठित लेखा विभाग से ऐसे श्रिधिकारी जिन्हानं 2375-3500 ६५ए के बेतनमान में लेखाकार था लेखा परीक्षा श्रिशिकारी के कूम में सात वर्ष निथमित सेवाकी है।

(फीडर प्रवर्ग से के ऐसे विभागीय अधिकारी, जो प्रोन्नित की सीधी पिन्त मे है प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पान्न नहीं होगे। उसी प्रकार प्रतिनियुक्ति किए गए व्यक्ति प्रोन्नित द्वारा नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पान्न नहीं होगे। प्रतिनियुक्ति की अविधा, जिसके भन्तर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य सगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारिन किसी मन्य काडर बाह्य पर पर प्रतिनियुक्ति की अविध है, साधारणतथा सीन वर्ष से अधिक नहीं होगी।

14

स रूह "क" विभागीय प्रोतित समिति ( प्रोक्षति के संबंध में दिवार करने के लिए ):

चयत रहें के प्रवसर पर संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से किया जाएगा।

- (त्राकार्य गत्यवव गांव वार्यकरन कालर्): । अञ्चक्ष या सदस्य, संघ लोक क्षेत्रा आरयोग——अध्यक्ष
- 2- श्रमर सिजन ( रक्षा अनुनंधान और विकास ) या मुख्य नियंत्रक ( अनुसंधान और विकास ) सक्स्य
- उनिदेशक दानिक ( अनुतंधान ग्रीर निकास ) सदस्य समूह "क" निनागीय प्रोन्नित समिति (पुष्टि के रानंत्र में निवार करने के लिए ):
- अन्नर यित्र ( रता अनसंत्रान और विकास) या मुख्य नियंत्रक (अनुसंधान और विज्ञास )—— धन्यक्ष
- 🙎 निरेशक या उपनिवंद ( अनुसंधान और विकास) रक्षा मंत्रालय—सदस्य
- 3. निश्वा कार्यिक ( प्रनुतंत्रान और विकास ) —सदस्य

िष्यगः ---पुष्टि से संबंधित विभागीय समिति की कार्यलाहियां, संघ लोक सेवा श्रायीम के अनुभोदनार्थ भेजी जाएंगी किन्तु, यदि आयोग उनका अनुभोदन नहीं करता है तो विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक संघ लोक सेवा अध्योग के प्रध्यक्ष या किसी सदस्य की अध्यक्षता में किर से होगी।

> [सं. 97011/ ए. / स्रार/ डी/ कार्मिक—1/5258/डी स्नार एंड डी] दुर्गा दास, श्रवर सचिव

### New Delhi, the 15th September, 1987

- S.R.O. 297.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Defence Research and Development Organisation, Ministry of Defence, Senior Accounts Officer and Accounts Officer Recruitment Rules, 1974 published by the notification of Government of Irdia in the Ministry of Defence SRO 384 dated the 4th November, 1974 except as respects things done or ornitted to be done before such suresession. the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the posts of Accounts Officer and Senior Accounts Officer in the Defence Research and Development Organisation in the Ministry of Defence, namely .—
- 1. Short ti'le and commencement.—(1) These rules may be colled the Defence Research and Development Organisation, Ministry of Defence Accounts Officer and Senior Accounts Officer Recruitment Rules, 1987.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Application.—These rules shall apply to the posts specified in column 1 of the Schedule annexed to these rules.
- 3. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the said posts, their classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said schedule.

- 4. Method of recruitment, age limit, other qualifications etc.—The method of recruitment to the said posts, age limit, qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in columns 5 to 14 of the Schedule aforesaid.
  - 5. Disqualification.-No person,
    - (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
  - (b) who, having a spouse living, has entered into or con'racted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said posts:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

- 6. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.
- 7. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government, from time to time, in this regard.

SCHED	ULE
-------	-----

	BOILEDOED		
Number of post	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post
2	3	4	5
*34 (1987)			Selection.
*Subject to variation dependent on workload.	Ministerial.		
	2 *34 (1987) *Subject to variation	Number of post  Classification  2  3  *34 (1987)  General Central Service Group 'B' Gazetted Non-  *Subject to variation  Ministerial.	2 3 4  *34 (1987) General Central Service Group 'B' Gazetted Non- *Subject to variation Ministerial.

Age limit for direct recruits		of service adm	fit of added years issible under rule ral Civil Services es, 1972		Educational and other qualifi- cations required for direct recruits		Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees		
	6	<del>-</del> - —		7		8		9	
Not applica	ble.		No		Not appl	lcable.	No	t applicable.	
Period of probation, if any.	Whether or by P Transfe the vac	d of recruitme er by dire et re tromotion or de er and percent ancies to be fi ious methods	ectt. mot leputation/ grad age of dep	ise of recruitment ion/deputation/tra les from which pro uiation/transfer is	nsfer, Cor motion/ co	Departmental Pronmittee exists, what omposition	omotion ut is its		es in which s to be con- aking rectt,
10		11		12		13			
2 years.	failing on dep 66-2/3	% by promotic which by transter of tion/transfer.	Research on Organisa of Techn Productic service ir after app regular b Transfer for Acco from any Account Note: Ti in the fe in the di will not deration deputati thonists s consider by prom tation in held im appoint other Or	ants in the Defendand Development tion and Directors leal Development and (Air) with 5 years the grade rendered ointment thereto of	tion C promo atc 1. Add and Resear rs Chief of Develo on a 2. Dir Resear rans- Minist ers 3. Dir and D Note ficers Depar are mittee toon be sen si- appro on not ap puta- fresh con effor Promo	o'B' Departmental ommittee (for contion and confirmalitional Seretary) (ch and Development)—Chairmal ector or Deputy Section and Development)—Meteror of Personnel evelopment)—Meteror of Personnel evelopment)—Meteror of Personnel evelopment of Confirmation to the Commissional If, however, proved by the Commetting of the Department of the U.P.S. Content of the U.P.S. Conten	sidering tion):— (Defence ent) or ch and an, ecretary ent) (ember, (Research mber, of the n Com- nation shal ion for these are mmission a partmental o be pre- man or a	1	ry while officer for on transfer
		2	3	4		6 _	7	8	
Senior Ac Officer	counts	*11 (1987) *Subject to variation dependent on work- load.	General Centro Service Group 'A' Gazetted Non-Ministeria	3500-125-4500.	Selection	Not applicable	No	Not applicable	Not applicable
10		11		12		13	~	1	1
•	fail fer on ar 33-1/3 %	ingwhich by t deputation. id	Researe Director ransfer velopme	o: Officer of the D h and Developmentate of Technical ent and Production ation with 5 year	efence tion at and prom De- 1 Ci a(Air)	p 'A' Department Conmittee (for obtion) nairman or Memi Public Service Co	oonsldering ber, Union	sion shall consultate Union Pe	be made in ion with the ablic Service

10 11 12

vice in the grade rendered after 2. Additional Secretary (Defence uno sintment thereto da a re tuhar basis.

- Transfer on deputation or Trans-
- (i) Officers from the Organized ' Ask ou its Services or Departme it hall hag analagaus posts on regular basis; or
- (ii) Officers from any of the Organis d Accounts Services or Department with five years' regular service in the scale of Rs. 2200-4000: or
- (iii) Officers from any of the Organised accounts Departments with seven years' regular sacrice is Accounts of Audit Office, in the scale of Rs, 2375-3500.

(Note: The departmental Officers in the feeder category who are in the di cet line of promotion will not no eligible for consideration for appelo ment on deputation. Similarly deputationists shall and be eigible for an inceration for appointment by promotion. Perlo I of deputation including period of deputation in another ex-cadre pay held immediately preceeding this appointment in the same or same other organisation or department of the Central Government shall o-dinerily not exceed 3 years)

Research and Development) or Chief Controller (Research and Davel poment)-Member.

13

- 3. Director of Personnel (Research and Development)-Member. Group 'A' Departmental Promo-10 1 Committee (for co 1sidering confirmation):
  - 1. Additional Secretary (Defence Research and Development) or Chief Controller (Research and Davelopment)—Chairman Director or Deputy Secretary (Research and Development). Ministry of Defence-Member
  - 3. Director of Personnel (Research ard Development)-Member.

Note: The proceedings of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation shall be sent to the Commission for approval. If, however, these are not approved by the Commission a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held.

> [No. 97011/A/RD/Pres-I/5258/DRD 1)[ DURGA DASS, Under Secy.

### नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1987

का, नि. मा. 298 '--सन्दीय िंटेट कोर मधिनियम 1948 (1948 का 31) भी धारा 12 की उपभारा (1) और (1क) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा श्री सुरेण कलमाडी की राष्ट्रीय कैंडेंट कोर की केन्द्रीय गलाहवार समिति के सदस्य के रूप में नियुक्ति ध्रधिमूचित करती है और उस प्रयोजन के लिए भारत सरकार रक्षा मंक्षालय की दिनांक 10 घटनुबर, 1983 की प्रधिसूचना सं. का नि. म्रा 76-ई. में निम्मलिखित मंगोधन हरती है, प्रयात् :--

उकत ग्रधिशुचना में "धारा 12 की उपधारा (1) के खंड (1) के अधीम" शीर्षक के नीचे निःनलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, ग्रंथीत् "श्री म्रेश कलमार्ड, संयद सरस्य (राज्य सभा) 27 भ्रगस्न, 1987 से निर्वाचित ।

> [सं 11 (17)/81 डी) जी एस /6)] हर्षदेव निस्ता, प्रवर सविव

### New Delhi, the 25th September, 1987

S.R.O. 298.—In exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (1A) of section 12 of the National Cadet Corps Act, 1948 (31 of 1948), the Central Government hereby notifies the appointment of Shri Sresh Kalmadi as a member of the Central Advisory Committee for the National Cadet Corps, and for that prpose amends the Notification of the Government of India in the Ministry of Defence, S.R.O. 76-E, dated the 10th Octuber, 1983, as follows, namely :---

In the said notification, under the heading "under clause (i) of sub-section (1) of section 12", for entry (15), the following entry shall be substituted, namely —

"(15) Shri Suresh Kalmadi, Member of Parliament (Rajya Sabha) elected with effect from the 27th August, 1987.

> -Member" [No. 11(17)/81/D(GS-VI)] H. D. SINHA, Under Secy.

# नई दिल्ली, 24 श्रगस्त, 1987

- का. नि. म्ना. 299 :---राष्ट्राति, संविधान के म्ननुष्टेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, भारतीय वायुसेना भेषजविज्ञ आर लिपिक भर्ती नियम, 1985 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं ; भ्रयीत्:---
- 1. (1) इन नियमो का संक्षिप्त नाम भाजीय वायुसेाना भेषजिबज्ञ और तिपिक भर्ती (संशाधन) नियम, 1987 है।
  - (2) ये राजपत्न में प्रकाशन की तारीख घो प्रवृत्त होगे।
- भारताय वायुसेना भेषजित्र और लिपिक भर्ती नियम, 1985 की अनुसूर्च मे, स्तम्भ 4 मे का प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखा जाएगा, अर्थात् ::--

"1200-30-1560-द. रो. 40-2040 रुपये"

हिप्पण ---मूल नियम, भारत के राजपत्न, भाग 2, खण्ड 4 भे अधिसूचना सङ्गक का. नि. का. 208 तारीख 9 अगस्त, 1985 के अधीन प्रजाशित किए गए थे ।

[फा. सं. वायुसेना मुख्यालय/23049/409/ पी. सी. 3 ए.)] ग्रार. ग्रार. कोशल, ग्रवर सचिव

### New Delhi, the 24th August, 1987

- S.R.O. 299.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Indian Air Force Pnarmacist-cum-Clerk Recruitment Rules, 1985, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Indian Air Force Pharmacist-cum-Clerk Recruitment (Amendment) Rules, 1987.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Schedule to the Indian Air Force Pharmacist-cum-Clerk Recruitment Rules, 1985, for the entry under column 4, the following entry shall be substituted, namely;—

"Rs. 1200-30-1560-EB-40-2040".

Note:—The principal rules were published in Part II, Section IV of the Gazette of India under notification number S.R.O. 208 dated the 9th August, 1985.

> [File No. Air HQ/23049/409/PC 3A] R. R. KOSHAL, Under Secy. नई दिल्ली, 23 सितम्बर, 1987

का. नि. आ. 300: —यतः भारत सरकार रक्षा अधिनियम, 1962 की धारा 29 (1) के अंतर्गत रक्षा प्रयोजनों के लिए अलवर के कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेंट ने अपने आदेश सं. एफ-29/एन ई सी/2266-68 दिनांक 27-2-63 के द्वारा अलवर कस्बे के बाहरी सीमा पर स्थित 'इतराना संघ' नामक जगह की 2,404.00 एकड़ माप की कृषि भूमि का अधिग्रहण किया था जिसका विवरण/ब्यौरा निम्नलिखित हैं:——

कम सं. जिलेका नाम	तहसील का ना	म गांव का नाम	क्षेत्र एकड़
1	2 .	3	4
1. अलबर	अलवर	गुण्डपुर	103
		भंजीत	422
		देसला	179
		नाहरपुर	273
		समोला	4.6
		इतराना	605
		छीतरपुर	403

1	2	3	<u>4</u>
		पलका	232
		बोरका	1 11
			2 404
			******

और यतः अनवर के कलाटर ने उत्तर भृति एव शास्त्रियों के लिए 18,992 रु. वार्षिक दर से आवतो पतिपूर्ति का अविशिषेय दिया था। इस क्षित्रपूर्ति की राणि से व्यक्तित भू-स्त्रापियों ने 1953 के आर ए आई पी निवगों के निवम 9 के अतर्गत मध्यस्थ की नियुक्ति के लिए आवेटन प्रस्तुत किए। राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर मध्यस्थों की नियुक्तियों की गई और अलवर के श्री जे.पी. बंगल, अपर जिला एवं सद्ध न्याग्रधीण-2 को राज्य सरकार ने अपने आदेश स. 22(31) की ए/ए/जी आर 1/64 दिनाक 28-4-76 के द्वारा प्रतिसहरण कर दिया गत्रा था।

और यतः राजस्थान सरकार के उना आदेश से व्यथित श्री महाराज कुमार, श्री यश्चरंत सिंह में राज्य सरकार के शादेश के विरुद्ध उच्च न्यायालय राजस्थान, जयपुर शाखा, जयपुर में सी डब्ब्यू मी 1043/76 वाद दायर कर दिया ।

बीर यत राजस्थान उच्च न्यातात्र ने सी डब्ग्यूपी म 1043/76 के मामले मे निदेश दिया कि विवादित भूमि की 3 मार्च, 1963 से 10 मार्च, 1971 की अविधि के लिए उच्च जायजाद की अतिपूर्त के अभिनिर्धारण के लिए भारत सध को महास्य नियुक्त करना चाहिए क्योंकि उक्त अविधि में उक्त भूमि अधिग्रहण के अर्थन थी।

और यतः राजस्थात सरकार उक्त भूमि पर अपने स्वामित्व का दावा कर रही है। क्योंकि यह दावा राजस्थान भूमि सुधार एवं जानोर अधिनियम 1952 के पुनरारम्भ के अनुसरण में अधिश्रहीत है और राज्य सरकार में निहित है।

अतः अवः केश्वी गरहार स्थावर समिति अविनित्त, 1952 के अधिप्रहण और अर्जन की प्रारा 8 की उपधारा (1) के खण्ड (ध) द्वारा प्रदत्त शिक्तियो हा प्रयोग करते हुए, न्यायमूर्ति श्री पृथ्वी राज, न्यायाधीश, दिल्ली उच्च न्यायाधीश, दिल्ली उच्च न्यायाधीश, दिल्ली उच्च न्यायाधीश, दिल्ली उच्च न्यायाधीश की निवृत्ति को माला के निर्धारण के लिए प्रतस्पत्तियों के सम्बन्ध भे क्षतिपूर्ति की माला के निर्धारण के लिए या सहयस्य दिवृत्तत करती है।

[फाइल स . पी सी-1-801/1388/अधिग्रहण/द०४०/र०स०] करतार सिंह, अवर त्विव

### New Dell.1, the 23rd September, 1987

S.R.O. 300.—Whereas Collector and Dist. Magistrate Alwar had vide his order No F-29|NEC|2266-68 dated 27-2-63 under Section 29(1) of the Defence of India Act 1962, requisitioned agricultral land measring 2,404.00 Acres for the defence purposes in the property known as Itarana Roondh' stated on the outskirts of Alwar Fown as per the following details:—

Sl. No.	Name of District	Name of Tehsil		Area in
1	Alwar	Alwar	Village	acres
			Gundpur	103
			Bhanjeet	422
			Desula	179
			Naharpur	273
			Samola	46
			Itarana	605
			Chhitarpur	403
			Palaka	237
			Beerka	141
				2,404

And whereas the Colletcor Arwar awarded recurring compensation at Rs. 18,992 per annum for the rand and assets Aggreeved with this Arward, the owner applied to aroutation under Rule 9 or the RAIP Rules 1955. The State Govt appointed Arbitrators from time to time and the appointment of Shir J. P. Bansal, Addl. Disit. & Section's Judge No. 2, Alwar was revoked by the Govt of Rajas han vide their order No 22(31)GA/A/Gr. 1/164 dt. 28-4-76.

And whereas aggreed with the above order of the Govt. of Rajasthan, the Mahataj Kumar Snri Yaswant Singh filed CWr No. 1045/16 before the High Coalt of Jud cautre for Rajasthan, Jaipur Branch, Jaipur against order of the State Govt.

And whe eas Hon'ble Rajasthin High Court has directed in CWP No. 1043/76 that Union of India should appoint an Arbitrator to accommon the compensation for the period 3rd March, 1963 to 10th March, 1971 when the property remained under the requisition

And whe eas Go a of Ryastaan is claiming their ownership over the land as it stood resumed by the n in persumee of the Rajastian land Reforms and Resmption of Jagits Act, 1952 and vested in the State Govt.

Now, therefore in everuse of the powers conferred by Clause (b) or subsection (1) of Section 8 of the Requisitioning and Acquisition of Improvable Property Act 1952, the Central Govt. Iereby appoints Shri Justice Prithvi Raj, Retire I Judge of Delhi High Court as an Arbitrator to determine the amount of compensation in respect of the said land/assets and the persons to whom such compensation shall be paid.

[File No. PC-1 to MF 801/1388/Reqn/SC/DE]

KARTAR SINGH, Under Sec.

(रक्षा उत्पादन विभाग) नई दिल्ली, 28 जुलाई, 1987

वा नि आ 301.— केन्द्रीय सरक र, राजभावा (अघ के शासकीय प्रयोजन के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के वियम 10 के एप नियम (4) के अन्तरण में निरीक्षण महानिदेश नय के नि निलिजित कार्यालय को, जिसके कर्मचारीवृन्द ने हिन्दी का कार्यमाधन ज्ञान प्राप्त कर निया है, अधिसुचिन करती है --

इनैक्ट्रानिकी निरीक्षणालयः विकारिः, बाग्वर्ट ।

[स 85173/ए/नि०म०नि० (प्रशःसन-3)] वि. नः. ग्रोटो, प्रवर सचिव

Department of Defence Production New Delhi, the 28th July, 1987

S.R.O., 301.—In pursuance of sub rule (4) of rule 10 of the official language (Use for Official purpose of the Union) Rules, 1976 the Central Government Lereby notifies the following office of DGI Organisation the staff whereof have required the working knowledge of Hind:—

Inspectorate of Electronics, Vikhoroli, Bombay.

[No. 85173///DG(Adm-3)] V. N. AWATI, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 सितम्बर, 1987

का.नि.आ. 30?—ःकेन्द्रीय गरकार, सेना अधिनियम, 1950 (1950 वर्ग 46) की प्रारा 191 हा प्रदन्त शक्तियों वर्ग प्रयोग करते हुए निम्नलिखात नियम बनाती है, अर्थात ——

1. इन यिनमों का यक्षिप्त नाम सेना (संगोधन) नियम, 1987 है।

2. सेना नियम, 1954 में, नियम 193 के स्थान पर निश्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् -- "धारः 91 के खण्ड (1) के प्राोजनों के लिए विहित अधिकारी यल सेनाध्यक्ष या सेन का समादेशक अफसर होगा।"

एम०एम० सोटाखा उन्हासचा (ए०२०)

टिप्पणी तून नियम का० निश्चार स० ४९४, नारीख 217 नवस्तर, 1954 द्वारा अधेसूचित किए गए हो स्रौत तत्पक्वता निम्नलिखित का० निश्चा देतो द्वारा उनका संशोधन किया गया

ई -7 — रांख 17 जून, 1960

कार्णनिञ्चार १, त राख 22 सितम्बर, 1961

वार्गाञ्झा० २०७, तारीख 12 जुलाई, 1961

बार्गान्था । ३४ नरोख 5 जून, 1963

कार्गाञ्चार १२६, त्रीख १२ मार्च, 1964

का ०नि० ३८० ११६, तारीख 12 मार्च, 1965

का ०नि००, ० 215, सारीख 17 ज्न, 1965

व • • • नि• अ • 5, नः री ख्र 23 दिमम्बर, 19Cs

का०नि०अ।० 188, तारीख 4 जुन, 1979

का ०नि० आ० २४६, तारीख 12 अक्तूबर, 1932

कार्शनिर्ा ० 044, तारीख 24 जनवरी, 1985

ना॰नि॰जा॰ 55, तारीय 22 फरवरी, 1985

बार्गाव 68 तारीख 1 अप्रैल, 1985

का०नि० ग० 169 तत्रीख 15 मई, 1937

New Delhi, the 18th September, 1987

SRO. 302—In exercise of the powers conferred by section 191 of the Army Act, 1950 (46 of 1950), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Army Rules, 1954, namely:—

1. These rules may be called the Army (Amendment) Rules, 1987.

2. In the Army Rules, 1954, for rule 193, the following rule shall be substituted, namely:—

"The prescribed officer for the purposes of clause (i) of section 91 shall be the Chief of the Army Staff or the Officer Commanding an Army"

M. S. SOKHANDA, Dy. Secy. (A.G.)

Note:—Principal rules were notified vide S.R.O. No. 484 d4ted 27th November, 1954 and su sequently amended vide the following S.R.O.s:—

E-7 dated 17 June, 1960

SRO 1 dated 22 Dec 1961

SRO 205 dated 12 July, 1961

SRO 34 dated 5 June, 1963

SRO 126 dated 12 March, 1964

SRO 116 dated 27 Mahch, 1965

SRO 215 dated 17 June, 1965

SRO 5 dated 23 Dec. 1968

SRO 188 dated 4 June, 1979

SRO 246 dated 12 Oct. 1982

SRO 44 dated 24 Jan. 1985

SPO 55 dated 22 Feb., 1985

SRO 68 dated 1 Apr 1985

SRO 169 dated 15 May, 1987.

## नई दिल्ली, 28 सि<sub>1</sub>म्बर, 1937

सा का नि 303 — राष्ट्रपित सविद्यान के ऋतुच्छेद 309 के परन्तृत द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए और सेना कैटिट महा-विद्यालय भर्ती (वर्ष II और १०६) नियम 1966 को जहां तक उनका सबध प्रध्यापकों के पद में है उन बाता के सित्राएँ अदिकरा करते हुए जिन्हें ऐसे अधिक्रमण से पहले किया गया है या करने से लोप किया एया है सेना कैडेट मह विद्यालय खड़ भाग्नीय सेना प्रकादकी प्राध्यापकों के पदों पर भर्ती की पद्धिन का विनिय न करने के लिए निम्नलिखित नियम बन ते हैं अर्थात्

- 1 सक्षिप्त नाम और प्रारम (1) इन नियमो का सिक्ष पत नाम सेना कैंडिट महाविद्यालय खड भारतीय सेना ग्राह्य (प्राध्यापक) भर्ती नियम 1987 है।
  - (2) ये राजपामे प्रकाशन की तरेख का प्रवृत्त होगे।
- 2 पद सख्य वर्गीकरण आर वेतनमान जक्त पद की सख्या उनका वर्गीकरण आर उनके वैतानान वह होगे जो इन नियमो से उनाबद्ध अनुस्वो के स्तभ 2 से स्तभ 1 में विनिर्दिष्ट है।
- ) भर्ती की १ड़ित, छ।यु सीभा और ऋन्य धर्हताए छ।दि उक्त पद पर भर्ती की पद्धित छ।यु-सीमा ख्रईताए और उससे सम्बंधिन ख्रन्य बाते वे होगी जो पूर्वोक्त अनुसूर्च के स्तम 5 से स्तभ 14 म विनिद्धिट है।
- 4 श्रारिभक गटन 650-1200 रुपए के वेतनमान म निर्यामन प्राधार पर कार्य कर रहे वर्तमान प्राध्यापको को 700-1600 र केपुनरीकि त बेतनमान म प्राध्यापक वे पद पर निम्नलिखित रूप मे नियुक्त किया गया समझा जाएगा ।
  - (वं) 1 जनवर 1983 को नियमित आधार पर कार्य कर रहे ऐसे सभी प्रध्यापको को 700-1600 र के पुनरीक्षित वेतनमान मे 1 जनवरी 1983 से प्राध्यापक के पद पर नियुक्त किया गया समझा ज रा.
  - (ख) 1 जनजरी 1983 से प्राप्तम होने वाली ओर इन नियमों के राजपत्न में प्रकाशन की नारीख का समाप्त होने वाली कालावधि के बैच नियमित इन्न श्राप्त पर नियुक्त मभी प्राध्यापकों को भी 700-1600 रुपए के पुनरीक्षित वैतनमान में उनकी द्वारी द्वारी नियुक्त को रिशेखों में प्राध्यापक के पद पर नियुक्त किया गया समझा जाएगा।

पन्नु यह कि दोनों में से किसी मामने में ऐसे प्राध्यापक जिन्हें उनकी भर्ती के ममय विहित स्रईनाओं के भिथिन करण में नर्ती किया गया था 700-1600 स्पर् के पुनरीक्षित वेतनमान में वेतनबद्धि केवल उका सर्हना श्रजित वरने के पश्चात ही उपाजित करें।

- (2) पूर्वोक्त अनुसूची के सात्म 2 मे ययावि।नॉर्दब्ट प्राविकृत पदो को सख्या मे सभी वर्तमान रिविधा इस अनुसूची के अन्य उध्या के प्राय र भरो जारी।
  - 5 निरहेता वह व्यक्तिः
  - (व) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है विवाह किया है या
- (ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है। उक्त पद पर नियुक्ति का पाल नहीं होगा

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पत्नकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुजेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है ता वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दें सकेती।

6 मिथिल वरने की शक्ति जहां केन्द्रीय गरकार की यह राय ह कि ऐसा करना भावश्यक या समीचीन है वहां वह उनके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा सब लोक सेवा श्रायोग से परामर्ण करने इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ष या प्रवर्ग के व्यक्तियों को ब बत आदेश द्वारा शिथल कर सकेरी।

7 व्यावृत्तिः इन नियमो की कोई बान ऐसे अारक्षणो, आयु सीमा म **छूट** और अन्य रियायतौ पर प्रकार नहीं उलेगी जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सबध में समय समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों अनुसूचित जनजातियों **श्**तपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है। अनसची

2681						
पदका नाम	पदौ की सख्या	वर्गीकरण	वै <b>सनमा</b> न	चयन पद <b>भय</b> वा श्रचय † पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियो केलिए घ्रायु सीमा	सेव। मे जोडे गए वर्षों का फायदा केन्द्रीय थिविल सेवा (पे शन) नियम 1972 के नियम 30 के स्रधीन अनुजेय है या नहीं
1	2	3	1	5	6	7
प्राध्यः(पक	17 <sup>४</sup> (1987) *कार्यभार के ग्राधार पर परिवर्तन किया <b>जा</b> सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह "क" राजपितत, ग्रन नुसचिवीय	700-40-1100-50 1300 निर्धारण 50 1600 रु	•	35 वर्ग से अधिक नहीं (केन्द्रीय सरकार द्वारा जरी कि गर्अन्देशों या अदिशों के अनु सार सरवरी सेवकों के लिए	•

5 वर्ष तक णिमित की ज्ञा सकती है।)

टिप्पग प्रापु मीमा अग्रास्ति नात्ते के लिए निर्णायक गरीखा, भारत में अभ्यायया में (उतसे मिन्न को अडमान और निरागार द्वीप स्था लक्षक्रीय सं है) ग्रावेदन प्राप्त करने के लिए निर्मा अतिम नारीख होगी।

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और धन्य सीधे भर्ती किए ज ते य ले व्यक्तियों के लिए परिवीक्षा ते अवीधे यद काई दी क्राहेंनाए विक्रित क्रायु और पैटिक क्राह्मताए प्रोधित व्यक्तियों की दया में लग होगी था नहीं

भाषप्रक.

लाग् नहीं डोका

ग⊤ त्राई

- (क) प्रकला प्रौशिणका रिकाई और किसी मान्यताप्रास्त क्षिक्व वि-शालय से अपेक्षित ध्रिय में (जो भर्ती के सभय विनिर्दिष्ट किया जाएगा) कम से कम हिर्तय श्रेणि में (7 जिन्दु भाष-मान में मी) मास्टर डिग्री या समसुर्य और
- (ख) एम फिल डिग्री या मास्टर स्तर के घरों कोई भारयशा-प्राप्त टिग्री या ऐसा प्रकाशित वार्य जिसमे किसी ध्रास्यर्थी की स्वतक रूप से प्रनुक्धान कार्य करने की क्षमता उपर्याणन होती हा।

परम्नु यदि मंद लोक्स सेवा आयोग ना यह मत है कि कियी अभ्ययी में शोध प्रबंध या प्रकाशित कार्य से प्रकट उसका प्रनृ-मधान कार्य प्रत्या उच्च स्तर का है ता वह उपर (वा) में बिहित किसी कहैं। ना शिथिल कर सकता है।

परन्तु यह और भी कि यदि कोई धम्मर्थी, जिसके पास (ख) के अनुसार अर्हनाण है, उपलब्ध नहीं हैं या उसे उपयुक्त नहीं पाया जाता है सा सध लाक सेवा धायार ध्रवन विवेदानुमार निरन्तर धन्छ। शैक्षणिव निवाई रखने वाले वियो धम्मर्थी पर, इस धार्त के ध्रधीन विचार घर सकता है जि वह अपनी निवृतित के 8 वर्ष के धीनर एम फिल डिग्री या मास्टर स्तर से ध्राणे कोई साय्य-ताधाप्त डिग्री प्रप्प कर लेगा जिसके न हा सकने पर वह मिष्टप की वेसनविद्या न व तक उपाजित नहीं कर समेगा जब तक वि वह उक्त टिग्री प्राप्त नहीं कर नेता है या उच्च स्तर के सम-तुल्य प्रभाणित कार्य का प्रमाण नहीं दे देना है। बांछनीय:

- (1) खेल-भूद गोस्कृतिक क्रिया बलापा में प्रजीणता।
- (2) सैनिक प्रविक्षण राष्ट्रीय वैडेट कार स्काउट का धनुभव।

मतीं की पद्धति भर्ती मीधें होगी या प्राप्तिति द्वारा या प्रतिनियुक्ति /स्थानान्तरण द्वारा तथा विश्वित पद्धतियो द्वारा भरी ज ने वाली रिक्तियो की प्रतिणत्तता

प्रशिक्षति / प्रतिनियुक्ति / स्थान्तारण द्वारा भर्ती का दशा मैं वे श्रीणया जिसे प्राप्ति / प्रतिनियुक्ति स्थानात्तर स्था जाएगा।

11

सीधी भर्ती द्वारा

यदि विभ गंग्य प्रोप्निय समिति है तो उसकी सरचना

ल गृनहीं होता

मतीं वरने मे किन परिस्थितिया में सध लोक सेवः श्रायाग से परामर्श किया जाएगा

समूह "क" विमार्गाय प्रोन्नति समिति (पुष्टि के संबंध में वि । र करने केलिए)

सीजी भर्तो जन्म बन वर्त नो इतिह ते हैं। व हो । दे पनीमर्श करनाः अध्ययमक हैं

- ा. संयुक्त सचिव (स्था. ) रधा मंत्रालय--- श्रध्यदा
- 2. निदेशक सैनिक प्रशिक्षण /उप निदेशक सैनिक प्रशिक्षण सेना मुख्यालय- सदस्य

टिप्पण : पृष्टि से संबंधित विभागीय प्रोन्नित की कार्यवाहिया संघ लोक सेवा आयोग के अनुसोदनार्थ भेजा जाएक किन्तु यदि आयोग उनका अनुमोदन नहीं करता है तो किमारीय प्रोस्नति समिति की बैठक संध लोक सेवा धायोग के प्रध्यक्ष या किसी सदस्य का बर्शकार में किर से होगा।

[फा. सं. 47003 जी एस /एम टी-7]

### New Delhi, the 28th September, 1987

S.R.O. 303.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, and in supersession of the Army Cadet College Recruitment (Class I and II posts) Rules, 1966 in so far as they relate to the post of Lecturers except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of Recruitment to the posts of Lecturers in the Army Cadet College Wing, Indian Military Academy, namely:-

- 1. Short title and commencement.—(i) These rules may be called the Army Cadet College Wing Indian Muitary Academy (Lecturer) Recruitment Rules, 1987.
- (ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.
- 3. Method of recruitment, age imit, qualifications etc.—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in columns 5 to 14 of the Schedule aforesaid.
- 4. Initial Constitution.—(1) The existing Lecturers working on regular basis in the pay scale of Rs 650—1200 shall be deemed to have been appointed to the post of Lecturer in the revised pay scale of Rs. 700—1600 at 1. d. :-
  - (a) All Lectuerers working on regular basis as on 1st January, 1983 shall be deemed to have been appointed to the post of Lecturer in the revised pay scale of Rs. 700—1600 with effect from 1st January, 1983.
  - (b) All Lecturers appointed on regular basis between the period commencing on 1st January, 1983 and ording with the date of publication of there rules in the Official Gazette shall also be deemed to have been

appointed to the post of Lecturer in the revised pay scale of Rs. /00—1600 with effect from their respective dates of appointment.

Provided that in either case, such Lecturers as were recruited in relaxation of the prescribed quaiffications, at the time of their recruitment shall earn increments in the revised scale of pay of Rs. 700—1600 only after acquiring the said qualifications.

- (2) All the existing vacancies in the authorised strength of posts as specified in column 2 of the Schedule aforesaid shall be filled in accordance with the other provisions of the Schedule.
  - 5. Disqualification.—No person,—
    - (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
    - (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a ma riage with any person,

shall be eligible for appointment to the said posts:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage a c' that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

- 6. Power to relax.—Where the Central Go ernment is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in a nsultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect of any class or category of persons.
- 7. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age Limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Exservicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

### SCHEDULE

Name of Post	No. of Pur	Clasifeation	Scale of Pay	Wigher Selec- tion Post or Noi-Selection Post	A22 limit for Direct recruits	Whether benefit of added years for Service admissible under rule 30 of the CCS. (Pension) Rule 1972
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
Lecturer	17* (1987) *Sunject to variation dependent on work- load	Service Group	Rs. 700-40-1100-50-1300-assess- ment 50-1600.	Not moplicable.	Not exceeding 35 year (Relaxable for Government Servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).	<b>i</b> -

Note: The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Audaman & Nicobar Islands. Lakshadweep). Whether age and Educational qualifications Period of probation Educational and other qualifications required for direct recruits if any prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees (10)(8) Essential: (a) Gapi academic record with at least second class (Cin the seven Not applicable. One year point sgale) Marter's degree in the required subject (to be specified at the time of recruitment) from a recognised University or equivalent and (b) An M. Phil, degree or a recognised degree beyond the Master's level or published work indicating the capacity of a candidate for independent research work. Provided that if the Union Public Service Commission is of the view that the research work of a gandidate as evident either from his thesis or from his published work is of a very high standard, it may relax any of the qualifications prescribed in (a) above. Provided further that if a candidate possessing the qualifications as at (b) is not available or not considered suitable, the Union Public Service Commission may at their discretion, consider a candidate possessing a consistently good academic record on the condition that he will have to obtain an M. Phil degree ora r ecognised degree beyond the Master's level within 8 years of his appointment failing which he will not be able to earn future increments till he obtain that degree or gives evidence of equivalent published work of high standard\* Desirable:—(i) Proficiency in games/cultural activities. (ii) Experience of Military Training/NationalCadet Corps/Scouting. **SCHEDULE** If a DPC exists what is its Circumstances in which Meteod of recruitment In case of recruitment by promotions/Deputation/ composition whether by direct recruit-Union Public Service Transfer, Grades from ment or by promotion or Commission, is to be conby deputation/transfer and which Promotion/Deputasulted in making recruitpercentage of the vacantion/Transfer to be made ment cles to be filled by various methods (13)(12)(11)(14)Group'A'Departmental Promot on Committee: By direct recruitment. Not applicable. Consultation with (for considering confirmation) Union Public Service 1. Joint Secretary (E), Commission necessary Ministry of Def.-Chairman. while making direct re-Director, cruitment. Military Training/Deputy Director Military Training Army Headquarters -Member Note:-The proceedings of the Departmental promotion Committee relating to confirmation shall be sent to the Commission for approval. If however, these are not approved by the Commission a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held.

- सा. का. नि. 304 :----राष्ट्रपति, संविधान के धनुष्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और राष्ट्रीय रक्षा प्रकावमी (वर्ग 1 ग्रीर 2 पद) भर्ती नियम, 1968 को, जहां तक उनका संबंध प्राध्यापक के पद से हैं, उन बातों के सिवाए प्रधिकान्त करते हुए जिन्हें ऐसे भिक्षकमण से पहले किया गया है या करने से लोप किया गया है, राष्ट्रीय रक्षा भकादमी में शैक्षणिक पदों पर भर्ती की पद्धित का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:---
  - 1. संक्षिम्त नाम और प्रारंभ—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम राष्ट्रीय रक्षा प्रकावमी (शैक्षणिक कर्मचारिवृम्द) भर्ती नियम, 1987 है।
    - (2) ये राजपत में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
  - 2. लागु होना :-- ये नियम इससे उपावड भनुसूची के स्तंभ 1 में विनिर्विष्ट पदों को लागु होंगे।
- 3. पद संख्या, वर्गीकरण ग्रीश बेतनमान :-जयत पदों की संख्या, जनका वर्गीकरण ग्रीर जनके वेतनमान वह होंगे जो इन नियमों से जपाबद भनुसूची के स्तम 2 से स्तंम 4 में विनिविष्ट हैं।
- 4. भर्ती की पद्धति, भायु सीमा भौर अन्य भईताएं भादि उन्त पदों पर भर्ती की पद्धति, भायु-सीमा, ग्रईताए और उससे संबंधित भन्य नार्ते ने होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तंभ 5 से स्तंभ 14 में विमिदिष्ट हैं।
- 5. भारिमक गठन: 700-1300 रुपए के वेसनमान में नियमित भाषार पर कार्य कर रहे वर्तमान प्राध्यापकों को 700-1600 र. के बुनरीक्षित वेसनमान मैं प्राध्यापक के पद पर निम्नलिखित रूप में नियमत किया गया समझा जाएगा :---
  - (क) 1 जनवरी, 1983 को नियमित ब्राह्मार पर कार्य कर रहे ऐसे सभी प्राध्यापको को 700−1600 रू. के पुनरीक्षित बेतनमान में 1 जनवरी, 1983 से प्राध्यापक के पद पर नियुक्त किया गया समझा जाएगा। ∰
  - (ख) 1 जनवरी, 1983 से प्रारम्भ होने वाली घौर इन नियमों के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख को समाप्त होने वाली कालावधि के बीच, नियमित ग्राघार पर नियुक्त सभी प्राध्यापकों को भी 700~1600 रपए के पुनरीक्षित वैतनमान में उनकी ग्रपनी-प्रपनी नियुक्ति की तारीखों से प्राध्यापक के पद पर नियुक्त किया गया समझा जाएगा:

परन्तु यह कि दोनों में से किसी मामले में ऐसे प्राध्यापक जिन्हे उनकी भर्ती के समय विहित ग्रहेताओं के शिथिलीकरण में मर्ती किया गया था. 700-1600 रुपए के पुनरीक्षित वेतनमान में वेतनवृद्धि केवल उक्त ग्रहेता ग्राजित करने के पश्चात ही उपाजित करेंगे।

- (2) पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 मैं यथाविनिविष्ट प्राधिकृत पदो की संख्या में सभी वर्तमान रिक्तिया इस अनुसूची के अन्य उपबंधों के अनुसार गरी जाएंगी।
  - 6. निरहेता ।-- वह व्यक्ति---
  - (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी परनी जीवित है, विवाह किया है, या
- (ख) जिसने ग्रंपने पित या ग्रंपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है, उक्त पद पर नियुक्ति का पान्न नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे क्यक्ति और विवाह के भ्रन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के भ्रधीन भ्रमुक्रेय है भीर ऐसा करने के लिए भ्रम्य भाधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

- 7. शिथिल करने की शक्ति:-जहां केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना श्रावश्यक या समीचीन है, वहा वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबढ़ करके तथा संघ लोक सेवा श्रायोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, श्रादेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।
- 8. व्याकृति :—इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षणों, प्रायु—सीमा में छूट धौर सन्य रियायतों पर प्रभाव नही डालेगी, जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-ममय पर निकाले गए आदेशों के धनुसार प्रनुसूचित जातियों, प्रमुस्चित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों भौर अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

				भनुसूची			
पदका नाम	पदों क	ी संख्या	बर्गीकरण	वेतनाम	चयन पर्व अथवा अच्यन पर	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों लिए ग्रायु—सीमा	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायका, केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के ध्रष्टीन अनुसेय है या नही
1	2		3	4	5	6	7
1. प्राघ्यापक	94* *कार्यभार पर परिवर्त जा सर्कता	न किया	साघारण केन्द्रीय सेवा,समूह "क" राजपन्नित, ग्रननुसचिवीय	700-40-1100-50- 1300-निर्धारित 50- 1600 हैं. + 150 हैं.	क्षागू महीं होता	35 वर्ष से प्रधिक नहीं (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए प्रमुदेशों या प्रादेशों के धनुस सरकारी सेवकों के लिए 5 व	स <b>ा</b> र

सीक्षे मर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये गैक्षिक भीर अन्य सीक्षे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये भहताए

बिहित आयु भीर गैक्षिक अहैताएँ प्रोन्नत व्यक्तियों की दशा में लागू होंगी या नहीं परिवीक्षाकी अवधि यवि कोई हो

प्राप्त करने के शिये नियत की गई मंतिम तारीख होगी।

373

8

2

9

10

बाबस्वक:

[भाग II--वांड (4)]

लागू नहीं होता

एक वर्ष

- (क) अच्छा शैक्षणिक रिकार्ड भीर किसी मान्यताप्राप्त विषय-विद्यालय से अपेक्षित विषय में (जो भर्ती के समय विनि-विष्ट किया जायेगा) कम से कम क्रितीय श्रेणी में (7 जिल्सु मापमान में "सी") मास्टर बिग्नी या समतुख्य, भीर
- (ख) एस. फिल बिग्री या मास्टर स्तर के आगे कोई मान्यताप्राप्त डिग्री या ऐसा प्रकाशित कार्य जिसमें किसी अभ्यर्थी की स्वतन्त्र रूप से अनुसंधान कार्य करने की क्षमता उपदर्भित होती हो:

परस्तु यदि संच लोक सेव। आयोग का यह मत है कि अस्मार्थी के शीध प्रबन्ध या प्रकाशित कार्य से प्रकट उसका अनु-संघान कार्य अत्यंत उच्च स्तर का है तो वह ऊपर (क) में विहित किसी अहंता को शिथिल कर सकता है।

परन्तु यह ग्रीर भी कि यदि कोई अभ्यर्थी, जिसके पास (मा) के अनुसार अहंताएं हैं, उपलब्ध नहीं हैं या उससे उपयुक्त मही पाया जाता है तो संघ लोक सेवा आयोग अपने विवेकानुसार निर'तर अच्छा मौद्धणिक रिकार्ड रखने वाले किसी अध्यर्थी पर, इस मतं के अधीन विचार कर सकता है कि वह अपनी नियुक्ति के 8 वर्ष के भीतर एम. "फिल दियी या मास्टर स्तर से अत्ये कोई मान्यताप्राप्त डिग्री प्राप्त कर लेगा जिसके न हो सकते पर वह भविष्य की वेतनवृद्धियां तब तक अपाजित नहीं कर सकेगा अब तक कि वह उक्त दिग्री प्राप्त नहीं करलेता है या उच्च स्तर के समतुल्य प्रकामित कार्य का प्रमाण नहीं दे देता है।

## वांचनीय :

- (1) खेल-कृव/सांस्कृतिक किया-कलापों में प्रवीणता।
- (2) मैनिक प्रक्षिक्षण/राष्ट्रीय कैंडेटकोर/स्काउट का अनुभव।

भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी आने वाली रिक्तियों की प्रतिमतना।

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थामाश्तरण द्वारा मर्ती की दक्ता में वे श्रेणियां जनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुषित/स्थानान्तरण किया जायेगा।

11

सीधी पर्ली द्वारा

लागू महीं होता।

समूह "क" विभागीय प्रोक्षति समिति, (पुष्टि के संबंध में विचार करने के लिए) सीधी भर्ती करते समय संघ लोक सेवा भागोग से परामर्श करना भावश्यक है।

14

- 1. संयुक्त सचिव(स्था.), रक्षा मंत्रालय--ग्राध्यक
- 2. निवेशक, सैनिक प्रशिक्षण/उप निवेशक, सैनिक प्रशिक्षण, सेना मुख्यालय

हिष्पण: पृष्टि से संबंधित विभागीय प्रोक्षति समिति की कार्यवाहियां, संघ स्रोक सेवा ग्रायोग के मनुमोदनार्थं भेजी जाएंग्री किन्तु, यदि ग्रायोग उनका भनुमोदन नहीं करता है तो विभागीय प्रोक्षति समिति की बैटक संघ श्रोक सेवा भागोग के मध्यक्ष या किसी सदस्य की मध्यक्षता में फिर से होगी।

•				<b>अनुसूची</b>		
पदैकानाम	पर्वो की संख्या	<b>धर्गीक र</b> ण	वेतनमान	चयन पद श्रथना श्रचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए भायुसीमा	सेवा में जोड़े गए वर्ष का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम 197 2भेरि 30 के घ्रधीन शनुब है या महीं
1	2	3	4	5	6	7
2. प्राध्यापक (विदेणी चाषा)	,10* (1987) *कार्यभारके झाधारपर परिवर्तन किथ जासकताहै।		700-40-1150-50- 1300-निर्धारण 50-1600 + 150 र. विशेष भत्ता	सागू नहीं होता	35 वर्ष से प्रधिक नहीं ( केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए प्रनृदेशों या घादेशों के प्रनृ सार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक सिषिल की जा सकती है।)	
					टिप्पण: धायुसीमा श्रवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में अध्याधियों से (जनसे भिक्ष जो संबंधान और निकीबार द्वीप तथा लक्षद्वीय में हैं) भावेबन-पद प्राप्त करने के लिए नियत की गई संतिम तारीख होगी।	
सीधे मर्ती किए	जाने वाले व्यक्ति	भ्यो के लिए <b>गैक्षिक</b> भ्रीरक	<sup>न्</sup> थ <b>घ</b> ईंताएं	विहित अ	कए जाने वाले व्यक्तियों के लिए परिची। ापु भीर गैक्षिक सर्हताएं प्रोफ्तिस निदेशामें लागू होंगी या नहीं	प्राकी ध्रवस्त्रियदि कोई है
		8		9	10	)
विवेशी '	भाषा में (ओ भ	।तींके समय विनिदिष्ट	विष्विविद्यालय से उस झ की काएगी) कम से में "सी") या समबुत्य	कम	ोत्ता 1 व	र्षं
(ख) एम. पि पन में प्रकाशित की समस् है कि संधान धर्दता धर्मी जिस	कल . डिग्री य ा एक वर्ष की म कार्य जिससे वि श उपर्वाचित होती किसी भ्रम्पर्यी के कार्य मत्प्रेस उच्च को विधिल कर र के पास ऊपर (क	मास्टर स्तर के झाने व विधि की कोई मान्यता स्ति अक्यर्थी की स्वतंत्र (हो। परन्तु यदि संघ र जोध प्रवंध या प्रकाणि । स्तर का है तो वह सकता है। परन्तु यह सी	संबंधित विवेशी भाषा में प्राप्त डिग्री/डिप्लोमा या रूप से श्रनुसंधान कार्य नोकः सेवा भायोग का या न कार्य से प्रकट उसका ऊपर (क) में विहित र भी कि थवि कोई ऐसा है उपलब्ध नहीं है बाउ	ह भ्रध्य - ऐसा करने इ. मस भनु- किसी भ्रम्थ- से उप-		

9

10

शैक्षणिक रिकार्ड रखने वाले किसी ध्रध्मधी पर इस मते के ध्रधीन विवारकर सकता है कि वह ध्रपनी नियुक्ति के 8 वर्ष के भीतर एम फिल. डिग्री मा मास्टरस्तर से ग्रागे की एक वर्ष की ध्रवधि की कोई मान्यताप्राप्त डिग्री/डिप्लोमा प्राप्त कर लेगा जिसके न हो सकते पर वह भविष्य की वेतनवृद्धियों तब तक उपाजित नहीं कर सकेगा जब तक कि वह उनत डिग्री प्राप्त नहीं कर लेता है या उच्च स्तर के समल्ह्य प्रकाशित कार्य का प्रमाण नहीं देवता है।

## बांछमीय :

- (1) खेल-कूव/सांस्कृतिक क्रियाकलापों में प्रवीणता।
- (2) सेना प्रणिक्षण/राष्ट्रीय कैंडेट कोर/स्काउट का प्रनुभव।

भर्ती को पद्धिः/भर्नी मीधे होगी या प्रोमित द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानातः प्राप्ति। प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे तथा विभिन्न पद्धितयों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता प्रोमितः/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण किया जाएगा।

1

19

बीधी मर्ती द्वारा

रागू नहीं होता

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संब लोक सेवा प्रायोगसे परामणं किया

13

14

समूह "क" विभागीय प्रोन्नति समिति : (पुरिट के संबंध मे विचार करने के लिए)

1. संयुक्त सचिव (जी), रक्षा मंत्रालय--- भव्यक्ष

विशास, सेना प्रशिक्षण/उप निवेशक, सेना मुख्यालय---सबस्य

दिप्पण: पुष्टिसे संबंधित विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाहिया, संग्र लोक सेवा -द्वायोग के अनुमोदनार्य सेजी खाएंगी किन्सु, यदि धायोग उनका धनुमोदन नहीं करता है तो विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक संग्र लोक सेवा भायोग के भ्रध्यक्ष या किसी सदस्य की श्रध्यक्षता में फिर से होगी।

सीबी भर्ती करते समय संघ लोक सेवा श्रायोग से परामर्श करना श्रावण्यक है।

[फा. सं. ए. 46153/एम. टी. 7] भार. कार. कीमल, भवर सचिव

- S.R.O. 304.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, and in supersession of the National Defence Academy (Class I and II posts) Recruitment Rules 1968 in so far as they relate to the posts of Lecturers except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the academic posts in the National Defence Academy namely:—
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the National Defence Academy (Academic Staff) Recruitment Rules, 1987.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Application.—These rules shall apply to the posts specified in column 1 of the Schedule annexed to these rules.
- 3. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the said posts, their classifications and the scale of pay attached thereto, shall be specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.
- 4. Method of Recruitment, age limit, qualification, etc.— The method of recruitment to the said posts, age limit, qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in columns 5 to 14 of the Scheduled aforesaid.
- 5. Initial Constitution.—(1) The existing Lecturers working on regular basis in the pay scale of Rs. 700—1300 shall be deemed to have been appointed to the post of Lecturer in the revised pay scale of Rs. 700—1600 as under:

- (a) All Lecturers working on regular basis as on 1st January, 1983, shall be deemed to have been appointed to the post of Lecturer in the revised pay scale of Rs. 700—1600 with effect from 1st January, 1983;
- (b) All Lecturers appointed on regular basis between the period commencing on 1st January, 1983 and ending with the date of publication of these rules in the Official Gazette shall also be deemed to have been appointed to the post of Lecturer in the revised pay scale of Rs. 700—1600 with effect from their respective dates of appointments:

Provided that in either case, such Lecturers as were recruited in relaxation of the prescribed qualifications at the time of their recruitment, shall earn increments in the revised scale of pay Rs. 700—1600 only after acquiring the said qualifications.

- (2) All the existing vacancies in the authorised strength of posts as specified in column 2 of the Scheduled shall be filled in accordance with the other provisions of the Schedule.
  - 6. Disqualification.—No person,—
    - (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
    - (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to said posts :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of his rule.

7. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in con-

sultation with the Union Public Service Commission relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

8. Saving.—Nothing in these rules shall affect ereservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-Servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

#### **SCHEDULE**

			SCHEDODE			
Name of Past	No. of Posts	Classification	Scale of pay	Whether selection Post or Non-selec- tion Post	Age limit for direct re- cruits	Whether benefit of added years of Service admissible under Rule 30 of the CCS (Pension) Rule 1972
1	·	. 3	4		6	7
Lecturer	94* (1987) *Subject to variation dependent on workload.	General Central Service Group 'A' Gazetted Non-Ministerial	Rs. 700-40-1100- 50-1300 assess- ment-50-1600- plus Rs. 150 special allow- ance.	Not applicable	Not exceeding 35 years (Relaxable for Government Servants upto 5 years in accrodance with the instructions or Orders issued by the Central Government).  Note:—Theorucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep).	No

Educational and other qualifications required for direct recruit	Whether age and educational qualifications Presecribed for direct recruits will apply in the case of Promotees	Period of Pro- bation, if any
8	9	10

### Essential:

- (a) Good academic record with atleast second class (in the seven point scale) Master's degree in the (C) required subject (to be specified at the time of recruitment) from a recognised University or equivalen; and
- (b) An M. Phil degree or a recognised degree beyond the Master's level or published work indicating the capacity of a candidate for independent research work.

Provided that if the Uniod Public Service Commission is of the view that the research work of a candidate as evident either from his hesis or from his published work is of a very high standard, it may relax any of the qualifications prescribed in (a) above. Provided further that if a candidate possessing the qualifications as at (b) is not available or not considered suitable, the Union Public Service Commission may at their discretion, consider a candidate possessing a consistently good academic record on the condition that he will have to obtain an M. Phil degree or a recognised degree

Not applicable

One year

\*\*Desirable:

- (1) Proficiency in games/cultural activities.
- (2) Experience of Military Training/National Cadet Corps Scouting

\_

9

beyond the Master's level within 8 years of his appointment failing which he will not be able to earn future increments till he obtains that degree or gives evidence of equivalent published work of high standard

Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods

In case of recruitment by promotions/deputation/ Transfer, Grades from which Promotion/Deputation/Transfer to be made If a DPC exists what is its composition

Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment

10

(11)

(12)

(13)

(14)

By direct recruitment

Not applicable

Group 'A' Departmental Promotion Committee for considering confirmation.

1 Joint Secretary (E),

Ministry of Def.—Chairman.

2. Director,

Military Training/Deputy Director,
Military Training Army Headquarter—Member.

Consultation with the Union Public Service Commission necessray while making direct recruitment.

Note:—The proceedings of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation shall be sent to the Commission for approval. If however, these are approved by the Commission a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held.

1 5 6 7 10\* Rs.700-40-1100-Lecturer General Central Not exceeding 35 years Not No. (Foreign (1987)Service 50-1300applicable (Relaxable for Govt Servants Language) \*Subject Group 'A' assessment upto 5 years in accordance to varia-Gazetted. 50-1600- plus with the instructions or orders tion depen- Non-Ministerial Rs.150/- special issued by the Central Governdent QЦ allowance ment) work and Note: -The crucial date for determining the age limit shall be the c'osing date for receipt of applications from candidates in India and other than those in Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep.

Not applicable

(for considering confirmation)

1. Joint Secretary(G)--Chairman Ministry of Defence

2. Director Military Training/Deputy Director-Member Army Headquarters.

Public Service Commission necessary while making direct recruitment.

Note-The proceedings of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation shall be sent to the Commission for approval. If, however, these are not approved by the Commisslon, a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Servee Commission shall be held.

> [F. No. A/46153/MT-7] R. R KOSHAL, Under Secy.